

ॐ खड्गं चक्रगदेषुचापपरिघाञ्छूलं भुशुण्डीं शिरः । शङ्खं संदधतीं कौस्त्रिनयनां सर्वाङ्गभूषावृताम् ॥

!! श्री गणेशाय नमः!!
॥ मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ॥

नीलाश्वद्युतिमास्यपाददशकां सेवे महाकालिकां । यामस्तौत्वपिते हरौ कमलजो हन्तुं मधुं कैटभम् ॥

राजा-बुध

वर्षा-११

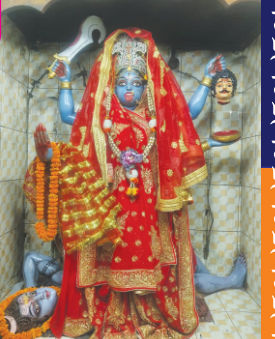
यशस्वति

मकरन्दानुसारि

सर्वमङ्गला जानकी पञ्चाङ्गम्

मन्त्री-शनि

धान्य-११



प्रवर्तक - स्व. जानकी देवी, स्व. विभा देवी ।
संरक्षक - संत शिरोमणि करपात्री अग्निहोत्री परमहंस
स्वामी चिदात्मन जी महाराज
सह संरक्षक - स्वामी स्वीन्द्र जी ब्रह्मचारी

सर्वमङ्गलां अध्यात्मयोग विद्यापीठ सह चिदात्मन वेद विज्ञान अनुसंधान संस्थान

सिद्धाश्रम आदिकुम्भस्थली सिमरियाधाम मिथिलाञ्चल, बेगूसराय, बिहार

निदेशक : पं. श्री शिवेन्द्र झा, संपादक : पं. श्री घनश्याम झा, सह संपादक : पं. श्री विजय कुमार झा
गणितकर्त्ता : पं. श्री विनोदानन्द झा, पं. श्री दिगम्बर शास्त्री, पं. श्री वरूण पाठक

विक्रमसंवतः २०८२-२०८३
शालिवाहन शक-१९४७-४८
सन् १९३३, लक्ष्मणसंवत् १९६-१७
ईस्वी सन् २०२५-२६

साह्योग राशि
पुस्तकालय

शतपदचक्रम्

१

नक्षत्र वर्णाः	चु.चे. चो.ला.	ली.लू. ले.लो.	अ.ई. ऊ.ए.	ओ.वा. बी.बू.	वे.वो. का.की	कू.घ. ङ.छा	के.को. हा.ही.	हू.हे. हो.डा.	डी.डू. डे.डो.	मा.मी. मू.मे.	मो.टा. टी.टू.	टे.टो. पा.पी.	पू.ष. ण.ठ.	पे.पो. रा.री.	रु.रे. रो.ता.	ती.तू. ते.तो.	न.नी. नू.ने.	नो.या. यी.यू.	ये.यो. भा.भी	भू.धा. फा.ढा.	भे.भो. जा.जी.	खी.खू. खे.खो.	गा.गी. गू.गे.
नक्षत्रम्	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेष	मघा	पूर्वाषाढा	उषा	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उषा	श्रवण	धनिष्ठा
राशिः	मेष	मेष	मेष-१ वृष-३	वृष	वृष-२ मिथुन-२	मिथुन	मिथुन-३ कर्क-१	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह-१ कन्या-३	कन्या	कन्या-२ तुला-२	तुला	तुला-३ वृश्चिक-१	वृश्चिक	वृश्चिक	धनु	धनु	धनु-१ मकर-३	मकर	मकर-२ कुम्भ-२
वर्णः	क्षत्रिय	क्षत्रिय	क्षत्रिय-१ वैश्य-३	वैश्य	वैश्य-२ शुद्र-२	शुद्र	शुद्र-३ विप्र-१	विप्र	विप्र	क्षत्रिय	क्षत्रिय	क्षत्रिय-१ वैश्य-३	वैश्य	वैश्य-२ शुद्र-२	शुद्र	शुद्र-३ विप्र-१	विप्र	विप्र	क्षत्रिय	क्षत्रिय	क्षत्रिय-१ वैश्य-३	वैश्य	वैश्य-२ शुद्र-२
वश्यः	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद-२ मानव-२	मानव	मानव-३ जल-१	जलचर	जलचर	वनचर	वनचर	वनचर-१ मानव-३	मानव	मानव	मानव	मानव-३ कीट-१	कीट	कीट	मानव	मानव॥ चतु३॥	चतुष्पद चतु१॥	चतु१॥ जल२॥	जलचर-२ मानव-२
युजा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य
हंसक (तत्त्व)	अग्नि	अग्नि	अ१. भू३	भूमि	भूमि२ वायु२	वायु	वायु३ जल१	जल	जल	अग्नि	अग्नि	अग्नि१ भूमि३	भूमि	भूमि२ वायु२	वायु	वायु३ जल१	जल	जल	अग्नि	अग्नि	अग्नि-१ भूमि-३	भूमि	भूमि२ वायु२
योनिः	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मूषक	गो	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह
धोनिवैरः	महिष	सिंह	वानर	नकुल	नकुल	मृग	मूषक	वानर	मूषक	मार्जार	मार्जार	व्याघ्र	अश्व	गो	अश्व	गो	श्वान	श्वान	मृग	मेष	सर्प	मेष	गज
राशीशः	भौमः	भौमः	भौमः-१ शुक्रः-३	शुक्र	शुक्रः-२ बुधः-२	बुधः	बुधः-३ चन्द्र-१	चन्द्रः	चन्द्रः	सूर्यः	सूर्यः	सूर्यः-१ बुधः-३	बुधः	बुधः-२ शुक्रः-२	शुक्रः	शुक्रः-३ भौमः-१	भौमः	भौमः	गुरुः	गुरुः	गुरुः-१ शनिः-३	शनिः	शनिः
गणः	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्यः	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस
नाडी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य

राशि फल २०८२-०८३

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, ले, लो, अ) - मेष राशि वाले जातक के लिए यह वर्ष मिश्रित फलदायी होगा, मानसिक कष्ट, स्वास्थ्य संबंधी चिंता, धन संचय में कमी, मांगलिक कार्य की पूर्ति, शत्रु पक्ष में प्रबलता, आर्थिक क्षति, न्यायालयी कार्यों में व्यवधान, छात्रों के एकाग्रता में कमी, दाम्पत्य शौर्य में वृद्धि तथा धार्मिक यात्रा में सुख की प्राप्ति होगी। बंधु विरोध का भी सामना करना पड़ेगा। अविवाहितों को लाभ प्राप्त होगा। शनि के साढ़े साती के प्रभाव में यह पूरा वर्ष रहेगा। लोहे की अंगूठी धारण, शनिवार को गुड़ मिश्रित जल पीपल वृक्ष में दें तथा श्री हनुमान चालीसा तथा सुंदर काण्ड का पाठ करना हितकर होगा।

वृष- (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) - इस राशि वाले व्यक्ति के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। संतान से सुख की प्राप्ति होगी, व्यवसाय में उच्च वर्ग के सहयोग से लाभ की प्राप्ति होगी, भूमि तथा भवन संबंधी कार्य में बाधा युक्त सफलता प्राप्त होगी, स्वास्थ्य ठीक, दाम्पत्य सुख में वृद्धि, पुत्रादि की प्राप्ति, जनगम तथा मांगलिक कार्य की पूर्ति तथा धार्मिक स्थल की यात्रा से मानसिक संतुष्टि होगी। बंधु समागम तथा शौर्य में वृद्धि होगी, स्वजन विवाद, कर्मचारियों के स्थान परिवर्तन की भी संभावना है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, हा) - इस वर्ष मिथुन राशि वाले व्यक्ति के लिए यह वर्ष सामान्य फलदाई रहेगा। संतानों के शिक्षा में व्यवधान युक्त सफलता, दाम्पत्य सुख, शौर्य में वृद्धि, मातृ पक्ष में पीड़ा, बंधु विरोध, धार्मिक तथा मांगलिक कार्य में सफलता मिलेगी। भूमि भवन संबंधी कार्य में व्यवधानयुक्त सफलता की प्राप्ति, छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की प्राप्ति, अविवाहित व्यक्तियों को व्यवधानयुक्त सफलता मिलेगी। नौकरी पेशा वाले, राजनीति क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों को कार्य में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि का भी योग है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) - कर्क राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य फल दायक है। परिश्रम करने वालों के कार्य में सफलता प्राप्त होगी, धार्मिक स्थानों की यात्रा, शैक्षणिक तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। नौकरी पेशा वालों के लिए कार्यभार में वृद्धि होगी। दाम्पत्य सुख में कमी, व्यापार में ह्रास होगा, नेत्र पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। भ्रातृ कलह तथा आपसी सामंजस्य में कमी होगी। मित्र वर्ग से सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिंता, भूमि भवन संबंधी विवाद में सफलता प्राप्त होगी। संतान के प्रति चिंता में वृद्धि होगी।

सिंह- (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) - सिंह राशि वालों के लिए यह वर्ष शनि की अढ़ैया के प्रभाव में रहेगा इस कारण रात्रि विरोध की स्थिति बनेगी दाम्पत्य

सुख में कमी होगी भूमि भवन संबंधी कार्य में व्यवधान होगा शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी न्यायालय कार्यों में सफलता मिलेगी न्यायालय से दंड प्राप्त होने की संभावना भी है किसी आकस्मिक घटना का सामना करना पड़ सकता है व्यापारिक तथा राजनीतिक व्यक्तियों को बाधायुक्त सफलता प्राप्त होगी वैवाहिक तथा मांगलिक कार्य संपन्न होंगे पारिवारिक कलह तथा नौकरी में बाधा उपस्थित होंगे घरेलू अपव्यय तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान में लाभ से अधिक वह होने की संभावना है शनिवार को पीपल वृक्ष में गुरु मिश्रित जल दिन लोहे की अंगूठी धारण करें तथा हनुमान चालीसा एवं सुंदर का कांड का पाठ करना हितकर होगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)- कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य फलदाई है

आय व्यय चक्र के अनुसार यह वर्ष रोग कारक है शत्रु पक्ष निर्बल होगा सरकारी कर्मियों का कार्यभार में वृद्धि होगी तथा स्थानांतरण की संभावना बनेगी स्वास्थ्य सामान्य रहेगा भौतिक सुख में वृद्धि होगी छात्रों तथा परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्त होगी जातक के प्रक्रम में वृद्धि होगी लोहे खनिज संचार भवन निर्माण से संबंधित व्यक्तियों को विशेष लाभ होगा उधर नेत्र से संबंधित रोग से पीड़ा होने की संभावना है घर में वैवाहिक कार्यक्रम होंगे न्यायालय कार्य संपादित होंगे।

तुला- (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)- तुला राशि वाले के लिए यह वर्ष शुभ फलदाई है। उत्तम स्वास्थ्य परिवार में मांगलिक कार्य, कुटुंबीय सौख्य, कार्य उत्तम और संतान सुख की प्राप्ति होगी। न्यायालयी कार्यों में बाधायुक्त सफलता, व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों को मध्यम आय की संभावना, छात्रों तथा प्रतियोगिकी परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगी, सरकारी कर्मियों को कार्य का भार बढ़ेगा पदोन्नति प्राप्त होंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार रहेगा, स्थानांतरण का भी योग बनता है। सोने चांदी के व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों को हानि होने की संभावना है। पारिवारिक क्लेश के लिए शिवपूजन करना हितकर होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)- वृश्चिक राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित फलदाई प्रतीत होता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, कंठ तथा नेत्र पीड़ा की संभावना रहेगी, कृषि कार्य प्रभावित होंगे, बहु प्रतिक्रित कार्य में सफलता मिलेगी। न्यायालयी कार्य संपादित होंगे, धनसंचय में कमी होगी, धार्मिक कार्यों में व्यय होंगे, सुख साधनों में वृद्धि होगी, भूमि भवन संबंधी कार्य व्यवधान युक्त होने के बाद भी सफल होंगे। कृषि संबंधी कार्य से धनागम की संभावना है। नौकरी पेशा वालों के लिए पदोन्नति की संभावना, स्त्री से सहयोग की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भु, ध, फ, ढ, भे)- धनु लग्न वालों के लिए यह वर्ष शनि की अढ़ैया के प्रभाव में रहने के कारण मिश्रित फलदाई है। जातक मानसिक कष्ट कारक, महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा, अनावश्यक भय, अस्थि संबंधित भय तथा अपव्यय संभव है। छात्रों के लिए विशेष सफलता प्रतियोगी परीक्षार्थियों और विवाहितों के लिए सुनहरा अवसर है। नौकरी पेशा से जुड़े व्यक्तियों के लिए अधिक कार्यभार तथा पदोन्नति का भी योग है। भ्रातृ विरोध, पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। औषधि से जुड़े व्यक्तियों को अतिरिक्त लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खू, खे, खो, गा, गी)- मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष उत्तम प्रतीत होता है। आय व्यय चक्र के अनुसार आय 15 तथा व्यय 5 है, इस कारण जातक को सभी प्रकार के कार्यों में विजयी होने तथा प्रतिष्ठा प्राप्ति का योग बनता है। शनि के मार्गी तथा बक्री होने के फलस्वरूप लाभ तथा हानि की भी संभावना है, उत्तम स्वास्थ्य, महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति, आकस्मिक रूप से धनागम का भी योग बनता है, परंतु उसी अनुपात में व्यय भी बढ़ेगा। छात्रों तथा प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सामान्य सफलता की प्राप्ति होगी। नौकरी पेशा से जुड़े व्यक्तियों को पदोन्नति प्राप्त होगी, सामाजिक अपयश भी प्राप्त होंगे। सामाजिक तथा राजनीतिक व्यक्तियों को पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं होगी।

कुंभ- (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो दा)- कुंभ राशि वाले व्यक्ति के लिए यह वर्ष शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव में रहेगा शनि के मीन राशिस्थ होने तथा बक्री मार्गी होने से प्रायः यह वर्ष लाभकारी प्रतीत होता है। जातक के स्वास्थ्य में सुधार तथा मानसिक कष्ट संभावित है। उत्तम भाग्य, धार्मिक स्थान का परिभ्रमण, मांगलिक कार्यों की पूर्ति, छात्रों तथा प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्त होने की संभावना है। बंधु विरोध सामाजिक तथा राजनीतिक व्यक्तियों को निराशा मिलेगी। शनिवार को पीपल वृक्ष में गुड़ मिश्रित जल देने, लोहे की अंगूठी धारण करना, एवं हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ तथा हनुमत पूजन करना हितकर होगा।

मीन- (दी, दू, थ, झा, ज, दे, दो, चा, ची)- मीन राशि वालों के लिए यह वर्ष शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव में रहेगा। जातक को मानसिक कष्ट, पारिवारिक समस्या, भ्रात्रि विरोध तथा सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं को विरोध का सामना करना पड़ सकता है। उदर पीड़ा तथा अस्थि संधि में पीड़ा कारक होगा। जातक अनावश्यक व्यय भार से ग्रस्त होगा, भाग्य पक्ष निर्बल, शत्रु पक्ष सबल होकर पीड़ा दायक होंगे। भौतिक सुख साधन में कमी होगी, छात्रों तथा परीक्षार्थियों में निराशा होगी। शनिवार को पीपल वृक्ष में गुड़ मिश्रित जल दें, शनि का मंत्र जपे, तथा लोहे की अंगूठी धारण करें। शनिवार को हनुमत पूजन तथा हनुमान चालीसा का पाठ सुंदरकांड का पाठ करना लाभकारी सिद्ध होगा।

नष्ट (खोई-हुई) वस्तु ज्ञान चक्र

संज्ञा	नक्षत्र	लाभालाभ	दिशा
अन्धाक्ष	रो,पुष्य,उ.फ.,वि., पू.षा,ध.,रे.	शीघ्रलाभ	पूर्व में
मन्दाक्ष	मृ.,श्ले.,ह.,अनु.,उ.,षा., श.,अश्वि.	प्रयत्न से लाभ	दक्षिण में
मध्याक्ष	आर्द्रा,म.,चि.,ज्ये., अभि.,पू.,भा.,भा.,भ.,	दूर श्रवण मात्र	पश्चिम में
सुलोचन	पुन.,पू.,फा.,स्वाति, मू.श्र.उ.भा.,कृ.,	अलाभ	उत्तर में

सिद्धादियोगचक्र तिथि-नक्षत्र-वशेन

५

दिनानि	रवि:	सोम:	कुज:	बुध:	गुरु:	शुक्र:	शनि:
सिद्धियोग:	३।८।१३	१।६।११	३।८।१३	२।७।१२	५।१०।१५	१।६।११	४।६।१४
अमृतयोगा:	४।१०।१५	४।१०।१५	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।६।१४	१।६।११
सर्वार्थ- सिद्धियोग:	अश्वि. मू. पुष्य. हस्त.	रो.मृ.अनु. श्रवण.पुष्य	अश्विनी	रोहि.मृ. हस्त अनु.	अश्वि.पुन पु.अनु.रे.	अश्वि.पुन. अनु.श्र.रे.	रोहिणी स्वा. श्रणव.
मृत्युयोगा:	१।६।११	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।६।१४	२।७।१२	५।१०।१५
राज्यप्रदयोग:	००	०० ००	४।६।१४	०० ००	०० ००	०० ००	४।६।१४
मध्यमयोग:	१२	११	१०	३	६	२	७

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्राशयः	सू.उ. घं. मि.	सू.अ. घं. मि.	अं० ता०	श्रावण कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, अशुद्धसमयः ता. १४ तः - शुद्ध ग्रीष्मर्तु ता. १७ वर्षार्तुः सौ. या. पश्चिमे कालः दिनांकः ११ जु. से २४ जु. २०२५ ई०
१ शु.	रा.२।८	पू.षा.५।४५	दि.७।३२	ध.दि.१।३१	५।१४	६।४६	११	पूर्वोदितः गुरुः १४।११, शिववासः रा. २।८ या. सिद्धियोगः अग्निवासः
२ श.	रा.१।४७	उ.षा.५।४२	दि.७।३१	मकर	५।१४	६।४६	१२	पूर्वाबिना यात्रा श्रावणयां, सर्वार्थसिद्धियोगः दि. ७।३१ उ.
३ र.	रा.१२।५७	श्र.६।१३	दि.७।४३	म.सं.७।३६	५।१४	६।४६	१३	भद्रा २८।५२ उ. ४६।१८ या., भदवारम्भः दि. ७।४३ उ.सिद्धियोगः, दीक्षाग्रहणं दि. ४।४६ या. अग्निवासः
४ सो.	रा.११।४३	घ.५।५३	दि.७।३६	कुम्भ	५।१५	६।४५	१४	पुष्ये गुरुः १८।११ शुद्धारम्भः, श्रीगणेश ४ व्रतं, शिववासः
५ मं.	रा.१०।५	शत.४।२०	दि.६।५६	कु.रा.१२।१७	५।१५	६।४५	१५	मौना पंचमी, मनसा देव्युब्धानं-मधुश्रावणी पूजारम्भः शिववासः रा. १०।५ या.
६ बु.	रा.८।८	पू.भा.१।५६	दि.६।३	मीन	५।१५	६।४५	१६	उ.भा. नक्षत्रः ५६।५१, भद्रा ३७।१२ उ., मासान्तः सिद्धियोगः रा. ८।२ उ.
७ गु.	सं.५।५५	रे.५५।०६	रा.३।१६	मी.रा.३।१६	५।१५	६।४५	१७	भद्रा २७।१४ या, भदवा समाप्तिः रा. ३।१६ उ., कर्के रविः १।१८ शिववासः सं. ५।५५ उ.,❖
८ शु.	दि.३।३३	अ.५१।०४	रा.१।४२	मेष	५।१६	६।४४	१८	धृतियोगः ५२।२६, मासादिः, शिववासः दि. ३।३३ या. सर्वार्थसिद्धियोगः रा. १।४२ या.
९ श.	दि.१।४	भ.४७।०३	रा.१२।५	मेष	५।१६	६।४४	१९	अग्निवासः दि. १।४ या. सिद्धियोगः दि. १।४ या. ❖अग्निवासः सं. ५।५५ या.
१० र.	दि.१०।३६	कृ.४२।४७	रा.१०।२३	मे.प्रा.५।४२	५।१६	६।४४	२०	पुष्ये रविः ३१।५६ शिववासः दि. १०।३६ उ., अग्निवासः मृत्युयोगः दि. १०।३६ उ.
११ सो.	दि.८।१२	रो.३८।५८	रा.८।५२	वृष	५।१७	६।४३	२१	कामदा ११ व्रतं सर्वेषां, शिववासः, मृत्युयोगः दि. ८।१२ उ., सर्वार्थसिद्धियोगः, दीक्षाग्रहणं
१२ मं	प्रा.५।५५	मृ.३५।३५	रा.७।३१	वृ.दि.८।११	५।१७	६।४३	२२	१३ ति.-५४।५०, भद्रा. ५६।२६ उ. दूर्वादलेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, अग्निवासः,★
१४ बु.	रा.२।८	आ.३२।५०	सं.६।२५	मिथुन	५।१७	६।४३	२३	भ. २४।१७ या. प्रदोष १४ व्रतं ★ शिववासः प्रा. ५।५५ या. सिद्धियोगः प्रा. ५।५५ उ.
३० गु.	रा.१२।४३	पुन.३१।००	सं.५।४१	मि.दि.११।५२	५।१७	६।४३	२४	श्रावणी ३०, स्नानदानादिः, शिववासः रा. १२।४३ या. सर्वार्थ सिद्धियोगः, अग्निवासः

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	श्रावण शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः वर्षार्तुः सौम्यगोलः याम्यायनम्, पश्चिमे कालः दिनांकः २५ जुलाई से ०६ अगस्त २०२५ ई०
१ शु.	रा.११।४५	पु.३०।०६	सं.५।२०	कर्क	५।१८	६।४२	२५	दोलोत्सवारम्भः अग्निवासः सिद्धियोगः रा. ११।४५ या. ततो मृत्युयोगः
२ श.	रा.११।१६	श्ले.३०।२३	सं.५।२७	क.सं.५।२७	५।१८	६।४२	२६	कारगिल स्मृति दिवसः, शिववासः रा. ११।१६ या.
३ र.	रा.११।१७	मघ.३१।५३	सं.६।०४	सिंह	५।१६	६।४१	२७	मधुश्रावणी व्रतं, हरियाली तीज, सिद्धियोगः रा. ११।१७ या.
४ सो.	रा.११।५०	पू.फा.३६।०१	रा.७।४४	सि.रा.२।००	५।२०	६।४०	२८	भ. १५।३६ उ. ४६।१६ या., श्री गणेश ४ व्रतं, अग्निवासः
५ मं.	रा.१२।४६	उ.फा.३८।३६	रा.८।४६	कन्या	५।२०	६।४०	२९	नागपंचमी, नागपूजनं, शिववासः, मृत्युयोगः रा. १२।४६ उ.
६ बु.	रा.२।१८	ह.४३।३६	रा.१०।४६	कन्या	५।२१	६।३९	३०	स्कन्दषष्टि, गृहप्रवेशः सप्तम्यां, शिववासः रा. २।१८ या, अग्निवासः, सर्वार्थसिद्धियोगः रा. १०।४६ या.
७ गु.	रा.४।४	चि.४६।३२	रा.१।१०	क.दि.१२।००	५।२१	६।३९	३१	भ. ५६।४७ उ., गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, गृहप्रवेशः, शीतलार्चनम्
८ शु.	अहो.रा.	स्वा.५५।५५	रा.३।४४	तुला	५।२२	६।३८	१अ.	भ. २६।१६ या., विश्व मैत्री दिवसः अग्निवासः, दीक्षाग्रहणं सं. ५।४ उ.
९ श.	प्रा.६।५	वि.६०।००	अहोरात्र	तु.रा.११।३७	५।२३	६।३७	२	मार्गीबुधः - ५७।४५, शिववासः प्रा. ६।५ उ., अग्निवासः प्रा. ६।५ या.
१० र.	दि.८।५	वि.२।२८	दि.६।२२	वृश्चिक	५।२३	६।३७	३	आश्लेषायां रविः ३।२६ शिववासः, अग्निवासः
११ सो.	दि.१०।००	अनु.८।४२	दि.८।५३	वृश्चिक	५।२४	६।३६	४	भ. ४३।३१ उ. सोमवारी व्रतं, झूलनयात्रारम्भः, गृहप्रवेशः अनुराधायां, सर्वार्थसिद्धियोगः दि. ८।५३ या.
१२ मं.	दि.११।३८	ज्ये.१४।१५	दि.११।०७	वृ.दि.११।७	५।२५	६।३५	५	भ. १५।३२ या., पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषां, अग्निवासः, मृत्युयोगः दि. ११।३८ या.
१३ बु.	दि.१२।४६	मूल.१८।५२	दि.१२।५८	धनु	५।२५	६।३५	६	दूर्वादलेण पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, गृहारम्भः-गृहप्रवेशः मूले, शिववासः, सिद्धियोगः दि. १२।४६ या.★
१४ गु.	दि.१।३६	पू.षा.२२।२२	दि.२।२३	ध.रा.८।३५	५।२६	६।३४	७	प्रदोष १४ व्रतं, शिववासः दि. १।३६ या., अग्निवासः, मृत्युयोगः दि. १।३६ उ. ♦गृहप्रवेशः-उत्तराषाढे
१५ श.	दि.१।५०	उ.षा.२४।२६	दि.३।१२	मकर	५।२६	६।३४	८	आ. योग ५५।१०, भद्रा-२१।०० उ. ५०।३० या., प्रदोषे झूलन यात्रा समाप्तिः, गृहारम्भः पूर्णिमायां,♦
१६ श.	दि.१।३५	श्रव.२५।३२	दि.३।४०	म.रा.३।३७	५।२७	६।३३	९	श्रावणी पूर्णिमा, रक्षिका बन्धनं (रक्षाबन्धन), अग्निवासः, भदवारम्भः दि. ३।४० उ. गृहारम्भः पूर्णिमायां♦

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	भाद्र कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः ता. १७ तः अशुद्ध वर्षार्तु सो. या. पश्चिमे कालः ता. १७ तः उत्तरे कालः दि. १० अ. - २३ अ. २०२५ई०
१ र.	दि.१२।४७	ध.२५।१७	दि.३।३५	कुम्भ	५।२८	६।३२	१०	शिववासः दि. १२।४७ या., अग्निवासः दि. १२।४७ उ., मृत्युयोगः दि. १२।४७ या.
२ सो.	दि.११।३४	शत.२३।५७	दि.३।०३	कुम्भ	५।२८	६।३२	११	भ. ४३।१५ उ. गृहारम्भः शतभिषायां, अग्निवासः दि. ११।३४ या., मृत्युयोगः दि. ११।३४ या.
३ मं.	दि.६।५६	पू.भा.२१।४८	दि.२।१२	कु.दि.८।२५	५।२६	६।३१	१२	भ. ११।१५ या., श्री विनायक ४ व्रतं, शिववासः दि. ६।५६ उ., अग्निवासः दि. ६।५६ उ. सिद्धयोगः दि. ६।५६ या.
४ बु.	दि.८।०३	उ.भा.१८।४६	दि.१२।५६	मीन	५।२६	६।३१	१३	गुरुपंचमी, गृहारम्भः पंचम्यां, उत्तरभाद्रे, पश्चिम यात्रा रेवत्यां, शिववासः, अग्निवासः दि. ८।३ या.
५ गु.	प्रा.५।५४	रे.१५।१२	दि.११।३५	मी.दि.११।३५	५।३०	६।३०	१४	द्वतथिमानं-५४।५६, भ. ५५।५५ उ., या., अग्निवासः प्रा. ५।५४ उ. शिववासः प्रा. ५।५४ या. सर्वार्थसिद्धयोगः
७ शु.	रा.१।०६	अ.११।११	दि.६।५८	मेष	५।३०	६।३०	१५	भ. २२।२७ या., स्वतंत्रता दिवसः, मृत्युयोगः रा. १।६ या. सर्वार्थसिद्धयोगः दि. ६।५८ या.
८ श.	रा.१०।३७	भ.६।५६	दि.८।१६	मे.दि.१।१४	५।३१	६।२६	१६	ध्रुवयोगः-५२।५६, मासान्तः, कृष्णजयन्ती कृष्णष्टमी व्रतं, अग्निवासः, शिववासः रा. १०।३७ या.
९ र.	रा.८।१२	कृ.२।५०	दि.६।३१	वृष	५।३१	६।२६	१७	मघायां सिंहे च रवि २८।८ अशुद्धारम्भः २८।८ उ. ❖सर्वार्थसिद्धयोगः रा. ३।४१ या.
१० सो.	सं.५।५८	मृ.५५।२२	रा.३।४१	वृ.दि.४।२५	५।३२	६।२८	१८	भ. ३।५४ उ. ३१।०४ या., मासादिः शिववासः सं. ५।५८ उ., सिद्धयोगः सं. ५।५८ उ.,❖
११ मं.	दि.३।५४	आ.५२।२७	रा.२।३२	मिथुन	५।३३	६।२७	१९	जया ११ व्रतं सर्वेषां, कर्क शुक्रः ४८।२१, शिववासः, मृत्युयोगः दि. ३।५४ या.
१२ बु.	दि.२।१०	पुन.५०।२६	रा.१।४४	मि.रा.७।५६	५।३४	६।२६	२०	कुष्माण्डेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, अग्निवासः दि. २।१० या. शिववासः दि. २।१० या. सिद्धयोगः★
१३ गु.	दि.१२।४५	पु.४६।१४	रा.१।१६	कर्क	५।३४	६।२६	२१	भ. १७।५७ उ. ४६।४२ या., प्रदोष १४ व्रतं, मृत्युयोगः दि. १२।४५ उ., सर्वार्थसिद्धयोगः रा. १।१६ या.
१४ शु.	दि.११।४५	श्लेष.४६।१२	रा.१।१६	क.रा.१।१६	५।३५	६।२५	२२	गं ३८।१२ उ. ५३।१२ या. शिववासः दि. ११।४५ उ., अग्निवासः दि. १५।२६ या. ★दि. २।१० या. ततः
३० श.	दि.११।१६	म.५०।२१	रा.१।४४	सिंह	५।३६	६।२४	२३	भाद्री कुशी अमावास्या, कुशोत्पाटनं, ; शिववासः दि. ११।१६ या., उत्तरयात्रा पूर्व फाल्गुन्यां मृत्युयोगः

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	भाद्र शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, अशुद्ध समयः वर्षार्तुः, सौम्यगोलः याम्यायनम्-उत्तरे कालः दिनांकः २४ अगस्त से ०७ सितम्बर २०२५ ई०	९
१ र.	दि.११।१५	पू.फ.५२।४८	रा.२।४३	सिंह	५।३६	६।२४	२४	त्रिपुष्कर योग, भाद्री रविव्रतं, अग्निवासः शिववासः दि. ११।१५ उ., मृत्युयोगः दि. ११।१५ या.	
२ सो.	दि.११।४७	उ.फ.५६।२६	४।१३	सिं.दि.१।६	५।३७	६।२३	२५	दक्षिण यात्रा हस्ते, शिववासः दि. ११।४७ या., मृत्युयोगः दि. ११।४७ या.	
३ मं.	दि.१२।४८	हस्त६०।००	अहोरा.	कन्या	५।३८	६।२२	२६	भ. ५०।१३ उ., हरितालिका (तीज) व्रतं, चौठचन्द्रव्रतं, चन्द्रपूजनं, अग्निवासः	
४ बु.	दि.२।१५	हस्त१।१६	प्रा.६।६	क.सं.७।१८	५।३९	६।२१	२७	भ. २१।३१ या., श्रीगणेश ४ व्रतं, श्री गणेशोत्सवारम्भः, शिववासः दि. २।१५ उ. सर्वार्थसिद्धियोगः प्रा. ६।६ या.	
५ गु.	दि.४।०२	चित्रा६।५६	दि.८।२७	तुला	५।३९	६।२१	२८	ऋषि पंचमी, सप्तर्षिपूजनं, शिववासः, अग्निवासः, सिद्धियोगः दि. ४।२ या.	
६ शु.	सं.६।०२	स्वा.१३।१६	दि.१०।५८	तुला	५।४०	६।२०	२९	पर्पद षष्ठी, सूर्यषष्टि व्रतं, शिववासः सं. ६।२ या. सिद्धियोगः सं. ६।२ या. ततः मृत्युयोगः	
७ श.	रा.८।०६	वि.१६।४७	दि.१।३६	तु.दि.७।५७	५।४१	६।१७	३०	भ. ३६।०२ उ., पश्चिमोत्तर यात्रा अनुराधायां, अग्निवासः	
८ र.	रा.१०।०१	अनु.२६।०७	दि.४।०६	वृश्चिक	५।४२	६।१८	३१	भ. ८।२५ या., गोपाष्टमी, पूर्व फाल्गुन्यां रविः १६।१२ भाद्रीरविव्रतं उत्तरे यात्रा अष्टम्यां, सिद्धियोगः रा. १०।१ या.	
९ सो.	रा.११।४२	ज्ये.३१।४६	सं.६।२६	वृ.रा.६।२६	५।४२	६।१८	१सि.	द. ति. ४४।५६ उ., गं. २५।४६ उ. ४०।४६ या., शिववासः रा. ११।४२ या., अग्निवासः	
१० मं.	रा.१२।४२	मूल.३६।४१	रा.८।२२	धनु	५।४३	६।१७	२	अच्युतदशमी, द. ति. ४८।४ या. ❖रा. १।६ या. ततः मृत्युयोगः ★रात्रि ६।५० मोक्ष १।२६	
११ बु.	रा.१।४६	पू.षा.४०।२८	रा.६।५५	ध.रा.४।१०	५।४४	६।१६	३	भ. १६।५ उ. ५०।५ या, हरेः पार्श्व परिवर्तनं-कर्माधर्मा ११ व्रतं सर्वेषां, अग्निवासः	
१२ गु.	रा.२।५	उ.षा.४२।५६	रा.१०।५७	मकर	५।४५	६।१५	४	इन्द्रपूजा, कुष्माण्डेन् पारणं, सूतिकास्नानं, दक्षिणां विना यात्रा श्रवणयां, शिववासः	
१३ शु.	रा.१।४६	श्रव.४४।११	रा.११।२५	मकर	५।४५	६।१५	५	प्रदोष १३ व्रतं भदवारम्भः रा. ११।२५ उ., शिववासः रा. १।४६ या., सर्वार्थसिद्धियोगः रा. ११।२५ या.	
१४ श.	रा.१।६	धनि.४४।१३	रा.११।२७	म.दि.११।२५	५।५४	६।१४	६	भ. ४८।२० उ., प्रदोष १४ व्रतं, श्रीअनन्त चतुर्दशी, अनंतपूजनं श्रीगणेश विसर्जनं, सिद्धियोगः❖	
१५ र.	रा.११।५७	शत४३।०६	रा.११।०१	कुंभ	५।४७	६।१३	७	भ. १६।५२ या., भाद्री पूर्णिमा, सत्ययुगान्तः, अगस्त्यार्घदानं, भाद्री रविव्रतं, चन्द्रग्रहणं-स्पर्श	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	आश्विन कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, अशुद्ध समयः १७ ता. शुद्धः वर्षार्तुः १७ तः शरद ऋतुः सौ. या. उत्तरे कालः दि. ०८ सि. - २१ सि. २०२५ ई०
१ सो.	रा.१०।२४	पू.भा.४१।०६	रा.१०।१४	कु.दि.४।२६	५।४८	६।१२	८	पितृपक्षीय् पार्वणारम्भः महालयारम्भः, अग्निवासः, शिववासः रा. १०।२४ या, एकोदिष्टं १
२ मं.	रा.८।३०	उ.भा.३८।१६	रा.६।०६	मीन	५।४८	६।१२	९	गं. योगमानम्-५३।१३ एकोदिष्टं २ ★गं. २५।४५ उ. ३७।४५ रा., मृत्युयोगः सं. ६।२३ या.
३ बु.	सं.६।२३	रेवती.३४।४५	रा.७।४३	मी.रा.७।४३	५।४६	६।११	१०	भ. ४।६ उ. ३१।२६ या., श्रीगणेश ४ व्रतं, भदवा समाप्तिः रा. ७।४३ उ., इन्द्रविसर्जनं,★
४ गु.	दि.४।४	अ.३०।४६	सं.६।१०	मेष	५।५०	६।१०	११	शिववासः, मृत्युयोगः दि. ४।४ या, सर्वार्थसिद्धियोगः सं. ६।१० या., एकोदिष्टं ४
५ शु.	दि.१।४०	भर.।२६।३६	दि.४।३१	मे.रा.१०।५	५।५१	६।०६	१२	वसुन्धरा पंचमी, शिववासः दि. १।४० या., अग्निवासः, मृत्युयोगः दि. १।४० उ.
६ श.	दि.११।१३	कृ.२२।२७	दि.२।५१	वृष	५।५२	६।०८	१३	भ. १३।२३ उ. ४०।२४ या., रात्र्यन्ते स्त्रीणां विशिष्टभोजनं (ओठगन्), सर्वार्थ सिद्धियोगः दि. २।५१ उ.
७ र.	दि.८।५१	रो.१८।२५	दि.१।१५	वृ.रा.१२।३१	५।५३	६।०७	१४	श्री जीमूत वाहन व्रतं , प्रदोष श्री जीमूतवाहन पूजनं, उत्तरफाल्गुन्यां रविः-४।१२ , भाद्री रविव्रतं❖
८ सो.	दि.६।३६	मृ.१४।४७	दि.११।४८	मिथुन	५।५३	६।०७	१५	नवमीं तिथिमानं ५४।५१, महालक्ष्मी व्रतं, मातृनवमी, जीमूतवाहन व्रतपारणं सं. ६।३६ उ.
१० मं.	रा.२।४८	आ.११।४१	दि.१०।३४	मि.रा.३।५४	५।५४	६।०६	१६	वरीयानयोगः ५३।४७, भ. २४।२७ उ. ५२।१६ या., मासान्तः, द. ति. ५२।१६ या.
११ बु.	रा.१।२५	पुन.६।२७	दि.६।४२	कर्क	५।५५	६।०५	१७	इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषां, कन्यायां रविः-२६।२५ , अग्निवासः, शिववासः, एकोदिष्टं ११
१२ गु.	रा.१२।२६	पु.८।००	दि.६।०८	कर्क	५।५६	६।०४	१८	गुडेन पारणं, मासादिः, गं. ५६।३६ उ., शिववासः रा. १२।२६ या., गुरुपुष्ययोग च सर्वार्थसिद्धियोगः दि. ६।८ या.
१३ शु.	रा.११।५६	श्ले.७।३६	दि.६।००	क.दि.६।००	५।५६	६।०४	१९	भ. ४५।०० उ., प्रदोष १३ व्रतं , गं. ११।३६ या, अग्निवासः ❖अग्निवासः दि. ८।५१ या.
१४ श.	रा.११।५६	मघ.८।३१	दि.६।२१	सिंह	५।५७	६।०३	२०	भ. १४।५६ या., प्रदोष १४ व्रतं , सिद्धियोगः रा. ११।२६ या. सिद्धियोगः ८।५१ उ.
३० र.	रा.१२।२८	पू.फ.१०।३७	दि.१०।१३	सि.सं.४।३६	५।५८	६।०२	२१	आश्विनी अमावस्यां, महालय-पार्वणान्तः , एकोदिष्टं ३०, अग्निवासः, शिववासः, रा. १२।२८ या.

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०
१ सो.	रा.१।३१	उ.फ.१४।०२	दि.११।३६	कन्या	५।५६	६।०१	२२
२ मं.	रा.२।५८	ह.१८।३२	दि.१।१४	क.रा.१।४२	५।५६	६।०१	२३
३ बु.	रा.४।४७	चि.२४।०१	दि.३।३६	तुला	६।००	६।००	२४
४ गु.	अहोरात्र	स्वा.३०।११	सं.६।४	तुला	६।००	६।००	२५
४ शु.	दि.६।४६	वि.३६।४३	रा.८।४२	तु.दि.२।३	६।०१	५।५६	२६
५ श.	दि.८।५३	अनु.४३।०८	रा.११।१७	वृश्चिक	६।०२	५।५८	२७
६ र.	दि.१०।५४	ज्ये.४६।०२	रा.१।४०	वृ.रा.१।४०	६।०३	५।५७	२८
७ सो.	दि.१२।३६	मूल.५४।१२	रा.३।४५	धनु	६।०४	५।५६	२९
८ मं.	दि.१।५४	पू.षा.५८।१२	रा.५।२१	धनु	६।०४	५।५६	३०
९ बु.	दि.२।४५	उ.षा.६०।००	अहोरात्र	ध.दि.११।३६	६।०५	५।५५	१अ.
१० गु.	दि.३।६	उ.षा.१।०३	प्रा.६।३१	मकर	६।०६	५।५४	२
११ शु.	दि.२।५४	श्रव.२।३६	दि.७।६	म.सं.७।१३	६।०७	५।५३	३
१२ श.	दि.२।१४	धनि.२।५६	दि.७।१८	कुंभ	६।०८	५।५२	४
१३ र.	दि.१।०६	शत.२।०७	दि.६।५६	कुं.रा.१२।२६	६।०८	५।५२	५
१४ सो.	दि.११।३५	पू.भा.०।१७	प्रा.६।१६	मीन	६।०९	५।५१	६
१५ मं.	दि.६।४५	रेवती.५४।१५	रा.३।५२	मी.रा.३।०५	६।१०	५।५०	७

आश्विन शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः शरद ऋतु सौम्यगोलः याम्यायनम्-उत्तरे कालः **दिनांकः २२ सितम्बर से ०७ अक्टूबर २०२५ ई०**

११

शारदीय नवरात्रारम्भः कलशस्थापनं, श्री दुर्गापूजनोत्सवः, गजारूढायां दुर्गया आगमन फलं सुवृष्टिः, रेमन्त पूजनं, शिववासः द्वितीयायां ब्रह्मचारिणी देवी दर्शनं

दीक्षाग्रहणं, अग्निवासः, मृत्युयोगः रा. ४।४७ या.

भ. २६।२६ उ. श्रीगणेश ४ व्रतं, मृत्युयोगः

भ. २।१ या., शिववासः पंचम्यां

शिववासः, अग्निवासः **हस्ते रविः ४०।५२**

गजपूजनं, **विल्वाभिमंत्रणं**, शिववासः षष्ठम्यां, मृत्युयोगः दि. १०।५४ या.

भ. १६।२० उ. ४७।५७ या., पत्रिकाप्रवेशः, मूले सरस्वती आवाहन, **महारात्रिर्निशापूजा**, भगवती दर्शनं

महाष्टमी व्रतं, व्रतांग जागरणं, **दीक्षा ग्रहणं**, शिववासः नवम्यां, सिद्धयोगः दि. १।५४ या. ततो राजप्रदयोगः

महानवमी व्रतं, हवनादि, त्रिशूलिनीपूजा, प्रभूततर बलिदानं, शिवदासः नवम्यां, अग्निवासः दि. २।४५ उ.

भ. ५२।१४ उ. अपराजिता पूजा, **विजयदशमी**, देवी विसर्जनं, ज्यन्तीधारणं, नवरात्रपारणं, नीलकण्ठ❖

भ. २१।५७ या., **पाशांकुशा**, ११ व्रतं सर्वेषां, भदवारम्भः दि. ७।६ उ., शिववासः दि. २।५४ उ.

पद्मनाभ १२, गुडेन पारणं, **प्रदोष १३ व्रतं**, शिववासः, अग्निवासः दि. २।१४ या.

प्रदोष १४ व्रतं, शिववासः दि. १।६ या. अग्निवासः, सिद्धयोगः दि. १।६ या.

उ. भा. नक्षत्र ५७/२० भ. १३।३४ उ. ४१/१६ या., कोजागरा कौमुदीमहोत्सवः प्रदोषं लक्ष्मी पूजनं

आश्विनी पूर्णिमा, स्नान दानादिः, भदवा समाप्तिः रा. ३।५२ उ. शिववासः, प्रतिपदायां मृत्युयोगः दि. ६।४५ उ.

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	कार्तिक कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः शरद ऋतु सौम्यगोलः ता. १७ तः या. उत्तरे कालः दि. ०८ अक्टूबर से २१ अक्टूबर २०२५ ई०	१२
१ बु.	दि.७।३६	अ.५०।२४	रा.२।२१	मेष	६।११	५।४६	८	द्वितीया तिथिमानम्-५४।१७, हर्षणयोगः-५२।२६, शिववासः प्रतिपदायां, सिद्धियोगः दि. ६।३६ उ.	
३ गु.	रा.३।०८	भ.४६।१७	रा.१२।४३	मेष	६।१२	५।४८	९	भ. २४।५६ उ. ५१५६ या., अग्निवासः ★सिमरियाधाम्नि कल्पवासारम्भः शिववासः दि. १।३२ या.	
४ शु.	रा.१२।३३	कृ.४२।०३	रा.११।१	मे.दि.६।१७	६।१२	५।४८	१०	श्रीकृष्णपिंगाक्ष ४ व्रतं, करकचतुर्थी (करवा चौथ), पूर्व दक्षिण यात्रा रोहिण्यां, शिववासः	
५ श.	रा.१०।१३	रो.३७।५८	रा.६।२४	वृष	६।१३	५।४७	११	चित्रायां रविः १३।१२, शववासः पंचम्यां अग्निवासः, मृत्युयोगः रा. १०।१३ या., सर्वार्थसिद्धियोगः रा. ६।२४ या.	
६ र.	रा.८।००	मृ.३४।१४	रा.७।५६	वृ.दि.८।४०	६।१४	५।४६	१२	भ. ३४।२४ उ., अशोक चन्दन षष्ठि, अग्निवासः, मृत्युयोगः	
७ सो.	सं.५।५६	आ.३०।५८	रा.६।३८	मिथुन	६।१५	५।४५	१३	भ. १।५२ या. प्रदोषे कालाष्टमी, द. ति. २६।२० उ., शिववासः अष्टम्यां, मृत्युयोगः सं. ५।५६ या.	
८ मं.	दि.४।१७	पुन.२८।३२	सं.५।४१	मि.दि.११।५५	६।१६	५।४४	१४	श्रीराधाष्टमी, द. ति. २५।२ या., शिववासः अष्टम्यां, सिद्धियोगः दि. ४।१७ या. ततो राजप्रदयोगः	
९ बु.	दि.२।५४	पु.२६।५३	दि.५।१	कर्क	६।१६	५।४४	१५	भ. ५०।२३ उ., दीक्षाग्रहणं दि. २।५४ उ. सं. ५।६ या. ❖दि. १।३० या. ततो मृत्युयोगः	
१० गु.	दि.१।५७	श्ले.२६।१५	दि.४।२४	क.दि.४।२०	६।१७	५।४३	१६	भ. १६।१० या., गं. १५।६ उ. ३०।२ या, शिववासः दि. १।५७ उ., सिद्धियोगः दि. १।३० या. ततः मृत्युयोगः	
११ शु.	दि.१।३०	मघा.२६।५२	दि.५।३	सिंह	६।१८	५।४२	१७	शुक्लयोगः ५६।५३, रम्भाएकादशी व्रतं सर्वेषां, तुले रविः ५६।५२, मासान्तः, शिववासः, सिद्धियोगः❖	
१२ श.	दि.१।३२	पू.फ.२८।४२	दि.५।४८	सिं.रा.१२।७	६।१९	५।४१	१८	तुलसी दलेन पारणं, प्रदोष १३ व्रतं, धान्यविषुद सं. पु. दि. १२ या., धनत्रयोदशी, धनतेरस★	
१३ र.	दि.२।६	उ.फ.३१।४६	रा.७।४	कन्या	६।२०	५।४०	१९	भ. १६।२६ उ. ५०।४२ या., प्रदोष १४ व्रतं, मासादिः, नरक १४, यमदीपदानं, सर्वार्थसिद्धियोगः रा. ७।४ उ.	
१४ सो.	दि.३।७	ह.३६।०१	रा.८।४४	कन्या	६।२०	५।४०	२०	दीपावली, सुखरात्री, प्रदोष लक्ष्मीपूजनं-उल्काभ्रमणं, काली पूजनं, शिववासः दि. ३।७ उ.	
३० मं.	दि.३।३८	चि.४१।१६	रा.१०।२६	क.दि.६।४६	६।२१	५।३९	२१	कार्तिकी अमावास्या, पार्वणं, शिववासः दि. ४।३८ या.	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	कार्तिक शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः शरद ऋतु याम्यगोलायनम् उत्तरे कालः दिनांकः २२ अक्टूबर से ०५ नवम्बर २०२५ ई०	१३
१ बु.	सं.६।२६	स्वा.४७।२०	रा.१।१८	तुला	६।२२	५।३८	२२	गोपूजा, गोक्रीडा, अन्नकूटः, गोवर्द्धनपूजा, शिववासः सं. ६।२६ उ., सिद्धियोगः सं. ६।२६ उ.	
२ गु.	रा.८।३४	वि.५३।४८	रा.३।५४	तु.रा.६।१५	६।२३	५।३७	२३	भ्रातृद्वितीया, भगिनी गृहभोजनं, श्री चित्रगुप्त पूजा, पश्चिमोत्तर यात्रानुराधायां, शिववासः द्वितीयां	
३ शु.	रा.१०।४२	अनु.६०।००	अहोरात्र	वृश्चिक	६।२४	५।३६	२४	कटमहुली ३, प्रतिहार षष्ठी व्रतीनां निरामिष भोजनं, स्वात्यां रविः ३।२१ सर्वार्थसिद्धियोगः	
४ श.	रा.१२।४२	अनु.०।१६	प्रा.६।३०	वृश्चिक	६।२४	५।३६	२५	भ. १३।१५ उ. ४५।४४ या., प्रतिहार षष्ठी व्रतीनां संयमः (नहाय-खाय), श्री गणेश ४ व्रतं	
५ र.	रा.२।२६	ज्ये.६।१६	दि.८।५७	वृ.दि.८।५७	६।२५	५।३५	२६	प्रतिहार षष्ठी व्रतीनामेकभुक्तम् (खरना), शिववासः अग्निवासः, सर्वार्थसिद्धियोगः दि. ८।५७ उ.	
६ सो.	रा.३।४६	मूल.११।४०	दि.११।६	धनु	६।२६	५।३४	२७	प्रतिहार षष्ठी व्रतं सायंकालिकार्घ दानं, उत्तर यात्रा षष्ठ्यां, शिववासः षष्ठ्यां, सिद्धियोगः	
७ मं.	रा.४।३६	पू.षा.१५।५६	दि.१२।४८	ध.सं.७।८	६।२६	५।३४	२८	भ. ५५।३३ उ., प्रातः कालिकार्घ दानं, पारणं च सामापूजारम्भः, जगद्धातृपूजारम्भः	
८ बु.	रा.५।०२	उ.षा.१६।०६	दि.२।५	मकर	६।२७	५।३३	२९	भ. २६।०० या, गोपाष्टमी, पश्चिमास्तः कुजः १७।८, मृत्युयोगः	
९ गु.	रा.४।३६	श्र.२०।५८	दि.२।५०	म.रा.२।५७	६।२७	५।३३	३०	अक्षयनवमी गङ्गास्नान दानादिः, धात्रीच्छायायां भोजनं, रत्नगर्भ कुष्मांडदानं, भदवारम्भः दि. २।५० उ.	
१० शु.	रा.४।१३	धनि.२१।३४	दि.३।६	कुम्भ	६।२८	५।३२	३१	श्रीकृष्ण विजयोत्सवः गृहारम्भः, गृहप्रवेशः जगद्धात्री विसर्जनं, दीक्षाग्रहणं	
११ श.	रा.३।७	शत.२१।०४	दि.२।५५	कुम्भ	६।२९	५।३१	१ न.	भ. २२।५८ उ. ५१।३५ या., देवोत्थान ११ व्रतं सर्वेषां, ११ व्रतोद्यापनम्, गृहारम्भः, गृहप्रवेशः	
१२ र.	रा.१।३३	पू.भा.१६।२४	दि.२।१५	कु.दि.११।१८	६।२९	५।३१	२	दामोदर १२, तुलसीदलेन पारणं, तुलसी विवाहः, चतुर्मास्य व्रतं समाप्तिः, शिवदासः, दीक्षाग्रहणं	
१३ सो.	रा.११।४८	उ.भा.१६।५७	दि.१।१७	मीन	६।३०	५।३०	३	प्रदोष १३ व्रतं, गृहारम्भः गृहप्रवेशः रेवत्यां, पश्चिमोत्तर यात्रा शिववासः त्रयोदश्यां	
१४ मं.	रा.६।४४	रे.१३।४५	दि.१२।०१	मी.दि.१२।०१	६।३१	५।२९	४	भ. ३८।३ उ., प्रदोष १४ व्रतं, राजप्रद योगः, सर्वार्थसिद्धियोगः दि. १२।१ उ.	
१५ बु.	रा.७।२७	अ.१०।०२	दि.१०।३२	मेष	६।३१	५।२९	५	भ. ५।११ या., कार्तिकी पूर्णिमा, सोनपुर मेला, देव दीपावली, गृहारम्भः सामा विसर्जनं	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शु.समयः शरद ऋतुः ता. १६ तः हेमन्त ऋतुः या. या., उत्तरे-कालः ता. १६ तः पूर्वे कालः दि. ०६-२० न. २०२५ई०	१४
१ गु.	दि.५।०५	भर.५।५६	दि.८।५३	मे.दि.२।२८	६।३१	५।२६	६	विशाखायां रविः-५३।५६ शिववासः दि. ५।५ या., अग्निवासः सं. ५।५ उ.	
२ शु.	दि.२।४१	कृ.१।४४	दि.७।१४	वृष	६।३२	५।२८	७	रोहिणी नक्षत्र ५५।५२, परिध योगः ५२।१० गृहारम्भः रोहिण्यां, मृत्युयोगः दि. २।४१ या.	
३ श.	दि.१२।२३	मृग.५३।४५	रा.४।०३	वृ.दि.४।४६	६।३३	५।२७	८	श्री गणेश ४ व्रतं, तृतीयायां गृहारम्भः शिववासः दि. १२।२३ सिद्धयोगः दि. १२।२३ उ.	
४ र.	दि.१०।१२	आद्रा५०।१२	रा.२।३६	मिथुन	६।३४	५।२६	९	मनसा देवी शयनं रात्रिव्यापिनी, विश्व साक्षरता दिवसः, शिववासः, दीक्षाग्रहणं दि. २।३४ उ.	
५ सो.	दि.८।१३	पुन.४७।३६	रा.१।३६	मि.सं.७।५४	६।३५	५।२५	१०	षष्ठी तिथि ५५।४८ भ. ५६।५४ उ. वीड-५ मानसदेवीशयनं, विषहरा पूजनं, शिववासः दि. ८।१३ या.	
७ मं.	रा.५।१३	पु.४५।४८	रा.१२।५४	कर्क	६।३५	५।२५	११	भ. २८।१४ या. दक्षिण यात्रा पुनर्वसौ, वक्री गुरुः ५३।५३ उत्तरां विना यात्रा पुष्ये	
८ बु.	रा.४।१६	श्ले.४४।५६	रा.१२।३४	क.रा.१२।३४	६।३६	५।२४	१२	कालभैरव अष्टमी, कालभैरव व्रतं, शिववासः रा. ४।१६ या., अग्निवासः, मृत्युयोगः	
९ गु.	रा.३।५४	मघा.४५।१३	रा.१२।४२	सिंह	६।३७	५।२३	१३	पूर्वोत्तर यात्रा दशम्यां, अन्ववष्टका नवमीं, मृत्युयोगः	
१० शु.	रा.३।५८	पू.फ.४६।४३	रा.१।१८	सिंह	६।३७	५।२३	१४	भ. २३।१८ उ. ५३।२३ या, बाल दिवसः, वक्रगत्या तुलयां बुधः-५१।५२ अग्निवासः	
११ श.	रा.४।३६	उ.फ.४६।२६	रा.२।२६	सिं.दि.७।३६	६।३८	५।२२	१५	उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषां, दक्षिणं यात्रा-एकादश्यां हस्ते। शिववासः	
१२ र.	रा.५।४१	ह.५३।२५	रा.४।१	कन्या	६।३९	५।२१	१६	गोमूत्रेणपारणं वृश्चिके रविः-४५।५२ द. ति. ५७।३६ या., ५७।३६ या.	
१३ सो.	अहोरात्र	चि.५८।२७	रा.६।२	क.सं.५।०१	६।३९	५।२१	१७	प्रदोष-१३ व्रतं विष्णुपदी सं. पु. दि. १२ मा. पुण्य कालः	
१३ मं.	प्रा.७।१४	स्वा.६०।००	अहोरात्र	तुला	६।४०	५।२०	१८	प्रदोष-१४ व्रतं मासादिः सूतीस्नानं, अग्निवासः प्रा. ७।१४ या., सिद्धयोगः दि. ७।१४ या., ततो राजप्रदयोगः	
१४ बु.	दि.६।७	स्वा.४।२३	दि.८।२५	तु.रा.४।२०	६।४०	५।२०	१९	पार्वणं, विश्व नागरिक दिवसः-शिववासः दि. ६।७ उ., अग्निवासः ६।७ उ.	
३० गु.	दि.११।१३	वि.१०।४६	दि.१०।५६	वृश्चिक	६।४१	५।१९	२०	मार्गी अमावास्या, स्नानदानादिः, अनुराधायां रवि. ६।२२ अनुराधायां विवाहः, शिववासः दि. ११।१३ या.	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः हेमन्त ऋतुः याम्यगोलः याम्यायनम्-पूर्वे कालः दिनांकः २१ नवम्बर से ०४ दिसम्बर २०२५ ई०	१५
१ शु.	दि.१।१४	अनु.१७।१७	दि.१।३७	वृश्चिक	६।४२	५।१८	२१	मुंडनं, विवाह, द्विरागमनं, प्रतिपदा, शिववासः दि.-१।२४ उ., अग्निवास दि.-१।२४ या.	
२ श.	दि.३।२५	ज्ये.२३।२८	दि.४।५	वृ.दि.४।५	४।४२	५।१८	२२	अग्निवासः दि.-३।२५ उ., शिववासः दि. ३।२५ या. ❖द्विरागमनं, गृहारम्भ, गृहप्रवेशः एकादश्यां	
३ र.	सं.५।१०	मूल.२८।५६	रा.७।१८	धनु	४।४२	५।१८	२३	भ.-५।०।५० उ. उमामहेश्वर व्रतं, षाण्मासिक रविव्रतारंभ, विवाह, मूले तृतीयां, द्विरागमनं, उत्तराषाढ़े गणेश-४ व्रतं	
४ सो.	रा.६।३१	पू.षा.३३।३३	रा.८।८	ध.रा.२।२६	४।४३	५।१७	२४	भ.-२१।२१ या. श्रीगणेश-४ व्रतं, विवाह, उत्तराषाढ़े, द्विरागमनं तृतीयायां, उत्तरयात्रा, पंचमी, पूर्वाषाढयोः	
५ मं.	रा.७।२४	उ.षा.३७।०१	रा.९।३१	मकर	४।४३	५।१७	२५	विवाह पंचमी श्री सीताराम विवाहोत्सवः विवाह, शिववासः, मृत्युयोगः रा. ७।२४ उ.	
६ बु.	रा.७।४७	श्रव.३९।१३	रा.१०।२५	मकर	४।४४	५।१६	२६	श्री स्कन्द षष्ठीव्रतं भदवारम्भः रा. १०।२५ विवाहः दिवारात्रौ, द्विरागमनं, गृहप्रवेशः, अग्निवासः	
७ गु.	रा.७।३६	ध.४०।०६	रा.१०।४६	म.दि.१०।३६	४।४४	५।१६	२७	भ.-३२।१० उ. श्री सूर्य सप्तमी, नवान्न पावर्ण, मुंडनं, विवाहः द्विरागमनं, गृहप्रवेशः, सप्तम्यां	
८ शु.	रा.६।५७	शत.३९।४८	रा.१०।३६	कुम्भ	४।४४	५।१६	२८	हर्षणयोगः ५५।१२ भ.-१।२१ या. द्विरागमनं, अष्टम्यां, शिववासः सं.-६।५७ उ., अग्निवासः	
९ श.	सं.५।५१	पू.भा.३८।२६	रा.१०।०७	कु.दि.०४।१५	४।४५	५।१५	२९	महानन्दा नवमी, शिववासः सं.-५।५१ या., सिद्धयोगः सं. ५।५१ या. ततो मृत्युयोगः	
१० र.	दि.४।२२	उ.भा.३६।१४	रा.९।१५	मीन	४।४५	५।१५	३०	रवियोग, सर्वार्थसिद्धियोगः सं ४।२२ उ. विवाहः एकादश्यां अग्निवासः दि. ४।२२ या.	
११ सो.	दि.२।३३	रे.३३।११	रा.८।२	मी.रा.८।०२	४।४६	५।१४	१दि.	दिसम्बर मासारम्भः मोक्षदा-११ व्रतं सर्वेषां मुंडनं, भदवा समाप्तिः रा.-८।२ उ. विवाहः रेवत्यां❖	
१२ मं.	दि.१२।२८	अ.२९।३५	रा.६।३६	मेष	४।४६	५।१४	२	केशव-१२, गोमूत्रेण पारणं प्रदोष-१३ व्रतं, शिववासः सिद्धियोगः दि.-१२।२८ उ.	
१३ बु.	दि.१०।१३	भ.२५।३१	दि.४।५८	मे.रा.१०।३२	४।४६	५।१४	३	प्रदोष-१४ व्रतं, ज्योष्ठायां रविः ५५।३५ अग्निवासः १०।१३ उ., शिववासः दि.-१०।१३ या.	
१४ गु.	दि.७।५२	कृ.२१।१६	दि.३।१८	वृष	४।४६	५।१४	४	पूर्णिमामानम् ५४।०३ मार्गीपूर्णिमा क्षेत्रस्नानं, विवाहः द्विरागमनं, गृहारम्भः रोहिण्यां मृत्युयोगः दि.-७।५२ या.	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	पौष कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्ध समयः ५ ता. तः अशुद्धः हेमन्त ऋतुः या. या. पूर्वे कालः दिनांकः ०५ दिसम्बर से २० दिसम्बर २०२५ ई०	१६
१ शु.	रा.३।१२	रो.१७।०६	दि.१।३८	वृ.रा.१२।५०	६।४६	५।१४	५	पौषे कौशिकी स्नानं महापुण्यप्रदं-विवाहः द्विरागमनं दि. ११।२७ या. शिववासः रा. ३।१२ या. सिद्धियोगः	
२ श.	रा.१।०३	मृग.१३।१३	दि.१२।०४	मिथुन	६।४७	५।१३	६	शुभयोगः ५२।३३	
३ र.	रा.११।०७	आर्द्रा.६।४१	दि.१०।३६	मि.रा.३।४८	६।४७	५।१३	७	भ. १३।१५ उ. ४०।४६ या. द्विरागमनं प्रथमाद्वीय तृतीयायां पुनर्वसौ सिद्धियोगः रा. ११।७ या.	
४ सो.	रा.६।२६	पुन.६।४८	दि.६।३०	कर्क	६।४७	५।१३	८	लम्बोदर ४ व्रतं श्रीगणेश ४ व्रतं, द्विरागमनम् पंचम्यां, सर्वार्थसिद्धियोगः दि. ६।३० उ.	
५ मं.	रा.८।१२	पु.४।४७	दि.८।४२	कर्क	६।४७	५।१३	९	गण्ड-५२।२७ उ. शिववासः रा. ८।१२ या., अग्निवासः मृत्युयोगः रा. ८।१२ उ.	
६ बु.	रा.७।२१	श्लेषा.३।३६	दि.८।१४	क.दि.८।१४	६।४८	५।१२	१०	भ. ३१।२३ उ. गण्ड ७।२७ या.	
७ गु.	रा.७।००	मघा.३।३७	दि.८।१५	सिंह	६।४८	५।१२	११	भ. ०।५६ या. अग्निवासः	
८ शु.	रा.७।०४	पू.फ.४।४८	दि.५।३६	सिं.दि.२।५८	६।४८	५।१२	१२	अपूपाष्टमीशिववासः रा. ७।४ या.	
९ श.	रा.७।५०	उ.फ.७।१६	दि.६।४२	कन्या	६।४८	५।१२	१३	अनवष्टका नवमी द. ति. ३२।३४ उ., अग्निवासः, मृत्युयोगः रा. ७।५० उ.	
१० र.	रा.८।५६	हस्त.११।००	दि.११।१३	क.रा.१२।११	६।४६	५।११	१४	भ. ३।५६ उ. ३५।२४ या. द. ति. २५।२४ या., अग्निवासः, सर्वार्थसिद्धियोगः दि. ११।१३ या.	
११ सो.	रा.१०।३६	चि.१५।४७	दि.१।०८	तुला	६।४६	५।११	१५	सफला ११ व्रतं सर्वेषां, मासान्तः शिववासः, मृत्युयोगः	
१२ मं.	रा.१२।३१	स्वा.२२।००	दि.३।३७	तुला	६।४६	५।११	१६	गोमयेन पारणं, मूले धनुषि रविः-१६।१७ अग्निवासः शिववासः रा. १२।३१ या.	
१३ बु.	रा.२।४०	वि.२७।५२	सं.५।५६	तु.दि.११।२४	६।५०	५।१०	१७	भ. ४१।३४ उ. प्रदोष-१३ व्रतं मासादिः मृत्युयोगः, सर्वार्थसिद्धियोगः सं. ५।५६ उ.	
१४ गु.	रा.४।५०	अनु.३४।१६	रा.८।२२	वृश्चिक	६।५०	५।१०	१८	भ. २२।१७ या. प्रदोष-१४ व्रतं, अग्निवासः, मृत्युयोगः, सर्वार्थसिद्धियोगः रा. ८।२२ या.	
३० शु.	अहोरात्र	ज्ये.४०।४६	रा.११।०८	वृ.रा.११।८	६।५०	५।१०	१९	पौषी अमावास्या पार्वणं, दशतारकारम्भः, शिववासः	
३० श.	दि.६।५१	मूल.४६।३०	रा.१।२६	धनु	६।५०	५।१०	२०	स्नानदानादिः गण्ड ३४।४५ उ. ४६।४५ या., शिववासः प्रा. ६।५१ या.	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	पौष शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, अशुद्ध समयः हेमन्त ऋतु याम्यगोलः याम्यायनम्-पूर्व कालः दिनांकः २१ दिसम्बर २०२५ से ०३ जनवरी २०२६ ई०	१७
१ र.	दि.८।३६	पू.षा.५१।२३	रा.३।२३	धनु	६।५०	५।१०	२१	द. तिथिः - ४।२४ उ., शिववासः दि. ८।३६ उ., अग्निवासः, मृत्युयोगः दि. ८।३६ या.	
२ सो.	दि.९।५४	उ.षा.५५।१०	रा.४।५४	ध.दि.६।४६	६।५०	५।१०	२२	द. तिः - ७।४० या., शिववासः दि. ९।५४ या., अग्निवासः दि. ९।५४, मृत्युयोगः ९।२४ या.	
३ मं.	दि.१०।४७	श्र.५७।४१	रा.शे.५।५४	मकर	६।५०	५।१०	२३	श्री गणेश ४ व्रतं, भदवारम्भः रात्रि ५।५४ उ., सिद्धियोगः दि. १०।४७ या. अग्निवासः	
४ बु.	दि.११।०६	धनि.५८।५४	रा.शे.६।२४	म.सं.६।०६	६।५०	५।१०	२४	क्रिसमस, शिववासः दि. ११।६ उ.	
५ गु.	दि.१०।५४	शत.५८।५७	रा.शे.६।२५	कुम्भ	६।५०	५।१०	२५	शिववासः, अग्निवासः, सिद्धियोगः दि. १०।५४ या.	
६ शु.	दि.१०।१३	पू.भा.५७।४८	रा.शे.५।५७	कु.रा.१२।०४	६।५०	५।१०	२६	मूलक-६, शिववासः दि. १०।१३ या., सिद्धियोगः दि. १०।१० या. ततो मृत्युयोगः	
७ श.	दि.९।०६	उ.भा.५५।५०	रा.शे.५।१०	मीन	६।५०	५।१०	२७	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती, अग्निवासः	
८ र.	प्रा.७।३६	रे.५३।०१	रा.४।०२	मी.रा.४।०२	६।५०	५।१०	२८	नवमी तिथि ५५।२४, परिध योगः ५३।१२, भदवा समाप्ति रा. ४।०२ उ., सिद्धियोगः, प्रा. ७।३६ या.	
१० सो.	रा.३।३६	अ.४६।३२	रा.२।३८	मेष	६।४६	५।११	२९	कर्मदशमी, पूर्वाषाढे रविः - १८।४२, दशतारकान्तः	
११ मं.	रा.१।२३	भ.४५।३७	रा.१।०४	मे.रा.६।३६	६।४६	५।११	३०	भद्रा १६।१५ उ. ४६।२६ या. पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषा, अग्निवासः, मृत्युयोगः	
१२ बु.	रा.११।०३	कृ.४१।२७	रा.११।२४	वृष	६।४६	५।११	३१	नारायण-१२ गोमयेन पारणं, शिववासः, सिद्धियोगः रा. ११।३ मृत्युयोगः	
१३ गु.	रा.८।४०	रो.३७।१७	रा.९।४३	वृष	६।४६	५।१२	१ ज.	जनवरी २०२६ प्रारम्भः प्रदोष १३ व्रतं अग्निवासः मृत्युयोगः रा. ८।४० उ., शिववासः दि. ८।४० या.	
१४ शु.	सं.६।२४	मृ.३३।१८	रा.८।०७	वृ.दि.८।५५	६।४८	५।१२	२	प्रदोष-१४ व्रतं	
१५ श.	दि.४।०४	आ.२६।४३	रा.६।४१	मिथुन	६।४८	५।१२	३	पौषी पूर्णिमा कौशिकी स्नानं, लक्ष्मणं संवत्-६१७ प्रारम्भः, शिववासः दि. ४।४ उ.	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	माघ कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, अशुद्ध समयः, हेमन्तर्तुः १४ ता. ततो शिशिरर्तुः या., या. ता. १४ तः-सौम्यायनम् पूर्वकालः दिनांकः ३-१८ ज. २०२६ ई०
१ र.	दि.२।२०	पुन.२६।४१	सं.५।२८	मि.दि.११।४६	६।४८	५।१२	४	वैधृति योगः ५३।२६ द०ति० १८।५० उ०, रविपुष्ययोग च सर्वार्थसिद्धियोगः सं. ५।२८ उ०।
२ सो.	दि.१२।४६	पु.२४।३०	दि.४।३५	कर्क	६।४७	५।१३	५	द०ति० १५।०४ यावत्, मृत्युयोगः दि. १२।४६ या०, सर्वार्थसिद्धियोग दि. ४।३५ या०।
३ मं.	दि.११।२६	श्ले.२३।०८	दि.४।०२	क.सं.४।०२	६।४७	५।१३	६	श्री गणेश-४ व्रतं गंड-१२।६ उ०, गंड-२६।६ या. शिववासः दि. ११।२६ उ०
४ बु.	दि.१०।४१	मघा.२२।५३	दि.३।५६	सिंह	६।४७	५।१३	७	पूर्वोत्तरयात्रा पूर्व फाल्गुण्यां, शिववासः, अग्निवासः दि. १०।४१ या०।
५ गु.	दि.१०।२२	पू.फ.२३।५०	दि.४।१६	सिं.रा.१०।३२	६।४७	५।१३	८	पूर्वोत्तरयात्रा पूर्व फाल्गुण्यां, शिववासः, दि. १०।२२ या० अग्निवासः दि. १०।२२ उ०
६ शु.	दि.१०।३२	उ.फ.२६।०१	सं.५।१०	कन्या	६।४६	५।१४	९	भ. ६।२७ उ० ४०।२३ या० अग्निवासः दि. १०।३२ या०, सिद्धियोगः दि. १०।३२ या०, ततो मृत्युयोगः।
७ श.	दि.११।१७	ह.२६।३१	सं.६।३४	कन्या	६।४६	५।१४	१०	रामानन्दाचार्य जयन्ती, अस्तकाष्टमी दक्षिणयात्राशिववासः दि. ११।२७ उ० अग्निवास दि. ११।१७ उ०।
८ र.	दि.१२।२८	चि.३४।०४	रा.८।२४	क.दि.७।२६	६।४६	५।१४	११	उत्तराषाढे रविः - २०।३७ भ. ५०।४८ उ०, सिद्धियोगः दि. १२।१८ या., शिववासः दि. १२।२८ या०।
९ सो.	दि.२।०६	स्वा.३६।३६	रा.१०।३७	तुला	६।४५	५।१४	१२	राष्ट्रीय युवा दिवसः, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, मीने शनिः ४३।४२, अग्निवासः
१० मं.	दि.४।०३	वि.४५।५३	रा.१।०६	तु.सं.६।२६	६।४५	५।१४	१३	मासान्तः लोहरी-पंजाब, भ० २३।१५ या० शिववासः दि. ४।३ उ०, मृत्युयोगः दि. ४।३ उ०।
११ बु.	स.५।२४	अनु.५२।२६	रा.३।४५	वृश्चिक	६।४५	५।१४	१४	षटतिला ११ व्रतं सर्वेषां-मकरे रविः-३६।१४ प्रयागे कल्पवासासम्भ्यः (१४-१-०२६-१३-२-०२६)
१२ गु.	रा.८।२३	ज्ये.५८।५५	रा.६।१६	वृ.रा.६।१६	६।४५	५।१४	१५	गोदुग्धेनपाराणं, मासादिः, पोंगल, द.ति. ३४।४ या० गं० ५२।५४ उ०, शिववासः रा. ८।२३ या०।
१३ शु.	रा.१०।२२	मूल.६०।००	अहोरात्र	धनु	६।४४	५।१६	१६	भ० ३६।६ उ० प्रदोष-१३ व्रतं गंड-७।५४ या०, भ० ३६।६ उ० अग्निवास।
१४ श.	रा.१२।०६	मूल.४।५०	दि.८।४०	धनु	६।४४	५।१६	१७	भ० ११।१५ या० प्रदोष-१४ व्रतं, नरकनिवारण-१४ व्रतं प्रदोषे शिवार्चनं सिद्धियोगः रा. १२।६ या०।
३० र.	रा.१।२२	पू.षा.६।५७	दि.१०।४३	ध.दि.५।०७	६।४४	५।१६	१८	माघी अमावस्या स्नान दानादिः पार्वणं मौनी-३० अग्निवास, शिववासः रा० १।२२ या०

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	माघ शुक्ल पक्ष सन् १४३३साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, अशुद्ध समयः, ता. २८ शुद्धसमयः, शिशिरर्तुः याम्यगोलः, सौम्यायनम् पूर्वकालः दि. १६ ज. से १ फ. २०२६ ई०	१९
१ सो.	रा.२।१२	उ.षा.१३।५७	दि.१२।१८	मकर	६।४३	५।१७	१६	शिशिरनवरात्रारम्भः गुप्तनवरात्रारम्भः अग्निवास, सर्वार्थ सिद्धियोगः दि १२।१८ उ०।	
२ मं.	रा.२।२६	श्र.१६।४८	दि.१।२६	म.रा.१।२५	६।४६	५।१७	२०	रेमन्त पूजा चन्द्रदर्शनं, भदवारम्भः दि. १।२६ उ०, शिववासः रा० २।२६ या०।	
३ बु.	रा.२।१४	धनि.१८।२२	दि.२।०३	कुम्भ	६।४२	५।१८	२१	मु० सावन मासारम्भः, मुंडनं, कर्णवेध धनिष्ठायां, वदरी तृतीया अग्निवास, मृत्युयोगः।	
४ गु.	रा.१।३०	शत१८।४२	दि.२।११	कुम्भ	६।४२	५।१८	२२	भ. १७।५४ उ० ४७।०० या., श्री गणेश ४ व्रत, पश्चिम यात्रा पंचम्यां, मृत्युयोगः।	
५ शु.	रा.१२।२२	पू.भा.१७।५३	दि.१।५१	कृ.दि.७।५४	६।४२	५।१८	२३	श्री पञ्चमी, सरस्वती पूजनं, वसंत पंचमी, मुंडनं उत्तरभाद्रे, उत्तरयात्रा शिववासः अग्निवासः	
६ श.	रा.१०।४६	उ.भा.१६।०३	दि.१।०६	मीन	६।४१	५।१६	२४	गज पूजा, बिल्वामिमंत्रण, श्रवणायां रविः-२५।४२, सरस्वती विसर्जनम्, शिववास रा० १०।४६ या०।	
७ र.	रा.८।५६	रे.१३।२४	दि.१२।०२	मी.दि.१२।०२	६।४०	५।२०	२५	भ० ३५।३६ उ०, अचला सप्तमी, महारात्रिर्निशा पूजा, भदवा समाप्तिः दि. १२।२ उ०, गंड ३।२४ उ० १८।२४ या०	
८ सो.	रा.६।५०	अ.१०।०५	दि.१०।४२	मेष	६।४०	५।२०	२६	शुभयोगः-५२।३१।भा० ३।१ या०, महाष्टमी व्रतं, व्रतांग जागरणं-गणतंत्र दिवस, शिववासः सं० ६।५० उ०	
९ मं.	दि.४।३३	भर.६।१६	दि.६।०६	मे.दि.२।४५	६।३६	५।२१	२७	महानवमी व्रतं, शिववास दि. ४।३३ या०।	
१० बु.	दि.२।११	कृ२।१०	दि.७।३०	वृष	६।३८	५।२२	२८	रोहिणी नक्षत्र ५५।४८, विजया-१०, अपराजिता पूजा, देवी विसर्जनं, मुण्डनं अग्निवासः	
११ गु.	दि.११।५०	मृग.५४।०६	रा.४।१६	वृ.दि.५।०३	६।३८	५।२२	२९	भौमी-११ व्रतं सर्वेषां, एकादशी व्रतोद्यापनं, मुण्डनं, उपनयनं, विवाहः, गृहारम्भः, गृहप्रवेशः	
१२ शु.	दि.६।३३	आ.५०।१४	रा.२।४३	मिथुन	६।६७	५।२३	३०	माधव-१२, गो दुग्धेन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, गृह प्रवेशः शिववासः अग्निवासः मृत्युयोगः	
१३ श.	दि.७।१५	पुन.४७।०२	रा.१।१५	मि.रा.७।३४	६।२६	५।२४	३१	१४ तिथि - ५५।१५, प्रदोष-१४ व्रतं, भ. २५।१२ या०, शिववासः दि. ७।१५ या० अग्निवास-७।१५ उ०।	
१५ र.	रा.३।४८	पु.४४।५०	रा.१२।२२	कर्क	६।२६	५।२४	१फ.	फरवरी मासारम्भः, माघी पूर्णिमा, स्नानदानादिः देवादि प्रतिष्ठा, भारतीय तट रक्षक दिवसः	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	फाल्गुन कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्धसमयः, शिशिरर्तुः याम्यगोलः, सौम्यायनम् पूर्वकालः ता. १३ तः दक्षिणे कालः दिनांकः २-१७ फरवरी २०२६ ई०	२०
१ सो.	रा.२।४४	श्ले.४३।०५	रा.११।४६	क.रा.११।४६	६।३५	५।२५	२	सौ. योगः ५४।४२, गं० ३२।७ उ० ४७।७, सूर्यवेधात् मघायां विवाहो नैव, शिववासः रा० २।४४ या०।	
२ मं.	रा.१।५६	मघा.४२।३४	रा.११।३६	सिंह	६।३४	५।२६	३	सर्वार्थ सिद्धियोगः	
३ बु.	रा.१।३५	पू.फ.४३।१५	रा.११।५१	सिं.रा.६।०३	६।३३	५।२७	४	भ० १८।४ उ० ४७।४३ या०, अग्निवासः, मृत्युयोगः, दीक्षाग्रहणं दिं. १।४६ उ. - रा. १।३५ या.	
४ गु.	रा.१।५३	उ.फ.४५।१२	रा.१२।३८	कन्या	६।३३	५।२७	५	श्री गणेश ४ व्रतं, पंचम्यां विवाहः शिववासः, मृत्युयोगः	
५ शु.	रा.२।३८	हस्त.४८।२४	रा.१।५४	कन्या	६।३२	५।२८	६	धनिष्ठायां रविः-३१।३३, मुण्डनं, विवाहः हस्ते, शनिवेधात् चित्रायां विवाहे नैव, शिववासः रा० २।३८ या०।	
६ श.	रा.३।५०	चित्रा.५२।४२	रा.३।३७	क.दि.२।४५	६।३२	५।२६	७	भ० ५३।१६ उ०	
७ र.	रा.५।३०	स्वा.५८।०७	रा.५।४६	तुला	६।३१	५।२६	८	भ० २५।२१ या०, श्री भानु सप्तमी, विवाहः, राहुवेधात् विवाहो मध्यमः स्वात्यां	
८ सो.	अहोरात्र	वि.६०।००	अहोरात्र	तु.रा.१।३६	६।३०	५।३०	९	शाकाराष्टकाष्टमी, श्री जानकी जयन्ती, शिववासः।	
९ मं.	दि.७।२७	वि.४।१६	दि.८।१२	वृश्चिक	६।३०	५।३०	१०	अन्ववस्तुका श्राद्धम्, अग्निवासः, सिद्धियोगः दि. ७।२७ या० ततो राजप्रदयोगः।	
१० बु.	दि.६।३५	अनु.१०।४६	दि.१०।४६	वृश्चिक	६।२६	५।३१	११	अन्ववस्तुका नवमी, सर्वार्थ सिद्धियोगः दि. १०।४६ या०, दीक्षाग्रहणं दि. ६।३५ उ.	
११ गु.	दि.११।४३	ज्ये.१७।२०	दि.१।२४	वृ.दि.१।२४	६।२८	५।३२	१२	मासान्तः, दयानन्द सरस्वती जयन्ती, गं० ११।१७ उ० २६।१६ या०	
१२ शु.	दि.१।४२	मूल.२३।२४	दि.३।५०	धनु	६।२८	५।३२	१३	विजया ११ व्रतं सर्वेषां, कुम्भे रविः-३।५८, सिद्धियोगः दि. १।४२ या०, दीक्षाग्रहणं	
१३ श.	दि.३।२१	पूषा.२८।४८	दि.५।५८	ध.रा.१२।२४	६।२७	५।३३	१४	गो-दधि पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, मासादिः, अग्निवासः, शिववासः दि. ३।२१ या०।	
१४ र.	दि.४।३४	उ.षा.३३।०२	रा.७।३६	मकर	६।२६	५।३४	१५	प्रदोष-१४ व्रतं, महाशिवरात्रि व्रतं, विवाहः-सिद्धियोगः दि. ४।३४ या० अग्निवासः, दि. ४।३४ उ०	
१५ सो.	दि.५।२२	श्रव.३६।११	रा.८।५४	मकर	६।२६	५।३४	१६	शिवरात्रि व्रत पारणं भदवारम्भः रा० ८।५४ उ०, सोमवती अमावस्या दिनान्ते ५।२२ उपरि, ५।३३ या०	
१६ मं.	दि.५।३५	धनि.३८।०३	रा.९।३८	म.दि.९।१६	६।२५	५।३५	१७	फाल्गुनी अमावस्या, स्नानदानादिः, मृत्युयोगः सं० ५।३५ उ०, शिववास सं० ५।३५ या०।	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	फाल्गुन शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्धसमयः, शिशिरर्तुः याम्यगोलः, सौम्यायनम्, दक्षिणे कालः दिनांकः १८ फरवरी से ३ मार्च २०२६ ई०
१ बु.	दि.५।१६	शत.३८।४०	रा.६।५२	कुंभ	६।२४	५।३६	१८	द्विरागमनं, शतभिषायां, पश्चिम यात्रा पूर्व भाद्रे, शिववासः ५।१६ उ०, सिद्धियोगः सं० ५।१६ उ०
२ गु.	दि.४।२६	पू.भा.३८।०६	रा.६।३८	कु.दि.३।४२	६।२४	५।३६	१९	शत. रविः-४६।१८, विवाहः उत्तर भाद्रे द्विरागमने च, तृतीयायां, शिववासः ४।२६ या०
३ शु.	दि.३।१५	उ.भा.३६।२६	रा.८।५६	मीन	६।२३	५।३७	२०	मुण्डनं-विवाह, द्विरागमनं, देवादिप्रतिष्ठा, तृतीयायां दंति० २२।१३, अग्निवासः दि० ३।१५, उ०
४ श.	दि.१।४१	रे.३४।०१	रा.७।५८	मी.रा.७।५८	६।२२	५।३८	२१	श्री गणेशव्रतं, भदवा समाप्तिः रा० ७।५८ उ०, दंति० १८।१७ या०, गं० २२।१६ उ०, ३७।२ या०
५ र.	दि.१२।११	अ.३०।५०	रा.६।४४	मेष	६।२२	५।३८	२२	उपनयनं, विवाहः, द्विरागमनं च पञ्चम्यां, केतुवेधात्, विवाहः, मध्मः अश्विन्यां, शिववासः, अग्निवासः
६ सो.	दि.६।३८	भ.२७।१६	दि.५।१६	मे.रा.१०।५१	६।२१	५।३६	२३	गो रूपिणी षष्ठी, शिववासः दि० ६६।३८ या०, सिद्धियोगः दि० ६।३८ या० ततो मृत्युयोगः
७ मं.	दि.७।१७	कृ.२३।०५	दि.३।३४	वृष	६।२०	५।४०	२४	८ तिथि-५४।०४, वैधृति योगः ५२।१२, कामदा सप्तमी, भ० २।३१ उ० २६।२२ या०, अग्निवासः
८ बु.	रा.२।५६	रो.१८।५४	दि.१।५३	वृ.रा.१।०३	६।१९	५।४१	२५	रवियांगः- दि० १।३५ उ०, विवाहः दशम्या, द्विरागमनं, गृहप्रवेशः, शिववासः दि० २।५६ या०
१० गु.	रा.१२।१८	मृ.१४।४८	दि.१२।१३	मिथुन	६।१८	५।४२	२६	अन्नप्राशनं, सूतीस्नानं, मुण्डनं, उपनयनं, विवाहः, द्विरागमनं, गृहप्रवेशः, देवादिप्रतिष्ठा च मृगशिरसि
११ शु.	रा.१०।१२	आर्द्रा.११।०२	दि.१०।४३	मि.रा.३।४४	६।१८	५।४२	२७	भ० १२।२२ उ० ३६।४४ या०, आमलकी ११ व्रतं सर्वेषां, गृहप्रवेशः पुनर्वसौ, मुण्डनं, उपनयनं, द्विरागमनं, गृहारम्भः
१२ श.	रा.८।१७	पुन.७।४५	दि.६।२३	कर्क	६।१७	५।४३	२८	गोविन्द १२, गोदधि पारणं, गृहारम्भः, गृहप्रवेशः पुनर्वसो, शिववासः, अग्निवासः
१३ र.	रा.६।४३	पु.५।०६	दि.८।२०	कर्क	६।१६	५।४४	१मा.	मार्च मासारम्भः, प्रदोष १३।१४ व्रतं, द्विरागमनं, देवादिप्रतिष्ठा च पुष्ये, गंड ५२।२४ उ०
१४ सो.	रा.५।३२	श्लेषा३।२४	दि.७।३७	क.दि.७।३७	६।१५	५।४५	२	भद्रा स० ५।३२ उ०, रात्रि ५।६ या०, होलिका दहनं रात्रि शेष ५।६ उ०, गं.-७।२४ या०
१५ मं	दि.४।४५	मघा.२।४०	दि.७।१८	सिंह	६।१४	५।४६	३	फाल्गुनी पुर्णिमा, कुलदेवताभ्यः सिन्दूरार्पणं (पातरिदानं), चन्द्र ग्रहणे-ग्रस्तोदितं स्पर्श-सं० ५।५० मोक्षः-६।४५

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०
१ बु.	दि.४।२६	पू.फ.३।०७	दि.७।२६	सि.दि.१।३६	६।१४	५।४६	४
२ गु.	दि.४।४०	उ.फ.४।४६	दि.८।०८	कन्या	६।१२	५।४८	५
३ शु.	दि.५।२८	ह.७।४४	दि.६।१८	क.रा.१०।०६	६।१२	५।४८	६
४ श.	सं.६।४०	चि.११।४८	दि.१०।५४	तुला	६।११	५।४६	७
५ र.	रा.८।१६	स्वा.१७।०१	दि.१२।५८	तुला	६।१०	५।५०	८
६ सो.	रा.१०।१७	वि.२३।०२	दि.३।२३	तु.दि.८।४७	६।१०	५।५०	९
७ मं.	रा.१२।२३	अनु.२६।३१	दि.५।५७	वृश्चिक	६।०६	५।५१	१०
८ बु.	रा.२।२८	ज्ये.३५।५५	रा.८।३०	वृ.रा.८।३०	६।०८	५।५२	११
९ गु.	रा.४।२३	मूल.४२।२०	रा.११।०३	धनु	६।०७	५।५३	१२
१० शु.	रा.६।००	पू.षा.४७।५१	रा.१।१४	धनु	६।०६	५।५४	१३
११ श.	अहोरात्र	उ.षा.५२।२३	रा.३।०३	ध.दि.७।४२	६।०६	५।५४	१४
११ र.	दि.७।०८	श्र.५५।४८	रा.४।२४	मकर	६।०५	५।५५	१५
१२ सो.	दि.७।५१	धनि५७।५७	रा.५।१५	म.दि.४।४६	६।०४	५।५६	१६
१३ मं.	दि.८।४१	शत५८।४७	रा.५।३४	कुंभ	६।०३	५।५७	१७
१४ बु.	दि.७।४१	पू.भा.५८।२६	रा.५।२७	कुं.रा.११।२८	६।०३	५।५७	१८
३० गु.	प्रा.६।५१	उ.भा.५७।०२	रा.४।५१	मीन	६।०२	५।५८	१९

चैत्र कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८२, शुद्धसमयः, शिशिरर्तुः ता.१४ वसन्त ऋतुः याम्यगोलः, सौम्यायनम्, दक्षिणे कालः **दिनांकः ४ मार्च से १६ मार्च २०२६ ई०**

२२

होलिकोत्सवः, होली सचैलस्नानं, सप्ताडोरक बन्धनं, विवाहः, द्विरागमनं, गृहारम्भः

संत तुकाराम जयन्ती, सूतीस्नानं, मुण्डनं, द्विरागमनं, गृहारम्भः

श्री गणेशव्रतं, मुण्डनं, द्विरागमनं, शिववासः, सं० ५।२२ उ०

सवार्थ सिद्धि योगः दि० १०।५४ उ०, शिववासः, अग्निवासः, सिद्धियोगः सं० ६।४० या०

रंग पञ्चमी, द्विरागमनं स्वात्यायां, शिववासः रा० २।२८ या०, मृत्युयोगः रा० ८।१६ उ०

भ० ४०।१७ उ०, स्कन्ध षष्ठी, विवाहः, अनुराधायां, अग्निवास, सिद्धियोगः रा० १०।१७ या०

भ० १२।५६ या०

श्री शीतला अष्टमी व्रतं पूजनं च, विवाहः अष्टम्यां मूले, शिववासः रा० २।२८ या०, अग्निवासः

श्री ऋषभनाथ जी जनन्ती, मृत्युयोगः

❖वासन्तीय नवरात्र आरम्भः, कलश

भ० २७।४२ उ० ५६।४४ या०, उत्तराषाढे विवाहः, अग्निवासः

स्थापनं, श्री दुर्गा पूजनोत्सवारम्भः,

मीने रविः-५३।४४, शिववासः

अमान्तात्,

पापमोचनी ११ व्रतं सर्वेषां, षडशीति सं० पुण्यकालः, दि० १२ या०, भदवारम्भः रा० ४।२४ उ०

गोधूतेन पारणं, **प्रदोष-१३ व्रतं**, मासादिः

साध्य योगः-५६।३१, **प्रदोष-१४ व्रतं**, वारूणी योगः, दि० ८।१ या०, गंगा स्नानं शत सूर्यग्रहणं समफलं

उत्तरभाद्रपदे रविः-१५।२२, पार्वणं, शिववासः दि० ७।४० उ०, अग्निवासः ७।४० उ०

१ तिथि-५६।५०, चैत्री अमावस्या, स्नान दानादिः, नववर्ष विक्रम सम्वत्-२०८३ प्रारंभः द०ति० ५८।५२ उ०❖

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	चैत्र शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४७, सम्वत् २०८३, शुद्धसमयः, वसन्त ऋतुः याम्यगोलः, सौम्यायनम्, दक्षिणे कालः दिनांकः २० मार्च से २ अप्रैल २०२६ ई०	२३
२ शु.	रा.३।५७	रेवती.५४।४६	रा.३।५७	मी.रा.३।५७	६।०१	५।५६	२०	भदवा समाप्तिः रा० ३।४७ उ०, द० ति० ५४।४६ या०, गं० ४२।४६ उ० ५७।४६ या०	
३ श.	रा.१।५६	अ.५१।४७	रा.२।४३	मेष	६।००	६।००	२१	मन्वन्तरादिः, पूर्वा विना यात्राशिवन्यां, अग्निवासः	
४ र.	रा.११।४७	भर.४८।१२	रा.१।१६	मेष	५।५६	६।०१	२२	भ० १७।१४ उ० ४४।३१ या०	
५ सो.	रा.६।२६	कृ.४४।११	रा.१२।३८	मे.दि.६।५०	५।५८	६।०२	२३	श्री पञ्चमी लक्ष्मी व्रतं, खरना, शिववासः, अग्निवासः	
६ मं.	रा.७।४	रो.४०।०१	रा.६।५८	वृष	५।५८	६।०२	२४	श्री सूर्य षष्ठी व्रतं, सायंकालिकार्घदानं, बिल्वाभिमंत्रणं, शिववासः रा० ७।४ या० मृत्युयोगः दि० ७।४ या०	
७ बु.	दि.४।३६	मृग.३५।५७	रा.८।८	वृ.दि.६।०८	५।५७	६।०३	२५	सौभाग्य योगाः-५२।२१, प्रातःकालिकार्घदानं पारणं च, पत्रिकाप्रवेशः, महारात्रि निशापूजा	
८ गु.	दि.२।२०	आर्द्रा३२।०७	रा.६।४७	मिथुन	५।५६	६।०४	२६	महाष्टमी व्रतं, अशोकास्टायमशोक कलिका पानं, मृत्युयोगः दि० २।२० उ० शिववासः दि० २।२० उ०	
९ शु.	दि.१२।१२	पुन.२८।४०	दि.५।२४	मि.दि.११।४५	५।५६	६।०४	२७	महानवमी व्रतं, रामनवमी व्रतं, रामावतारः, हनुमद्ध्वजदानं, दशम्यां क्षत्रिय, वैश्ययोः उपनयनम्	
१० श.	दि.१०।१६	पु.२५।५६	दि.४।१७	कर्क	५।५५	६।०५	२८	विजया-दशमी, अपराजिता पूजा, देवी विसर्जनं, जयन्ती धारणं, रामनवमी व्रतं पारणं, नीलकण्ठ दर्शनम्	
११ र.	दि.८।४१	श्लेष२४।०४	दि.३।३२	क.दि.३।३२	५।५४	६।०६	२९	कामदा-११ व्रतं सर्वेषां, मीना देवी स्मृतिः दिवसः, उपनयनं आश्लेषायां, शिववासः दि० ८।४१ उ०	
१२ सो.	दि.७।२६	मघा.२३।०३	दि.३।०६	सिंह	५।५३	६।०७	३०	श्री विष्णु-१२, गोघृतन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, उत्तरयात्रा पूर्व फाल्गुन्यां, शिववासः, अग्निवासः	
१३ मं.	दि.६।४२	पू.फा.२३।१३	दि.३।०६	सि.रा.६।१८	५।५२	६।०८	३१	प्रदोष-१४ व्रतं, दयाकान्त स्मृति दिवसः, रेवत्यां रविः-४६।४३	
१४ बु.	प्रा.६।२६	उ.फ.२४।३६	दि.३।४२	कन्या	५।५२	६।०८	१अ.	अप्रैल मासारम्भः, अग्निवासः, सर्वार्थ सिद्धियोगः दि० ३।४२ उ०	
१५ गु.	प्रा.६।३६	हस्त.२७।१६	दि.३।५५	क.रा.५।३२	५।५१	६।०९	२	चैत्री पूर्णिमा, स्नानदानादिः, स्वरोषिमन्वादिः, शिववासः दि० ६।३६ उ०, सिद्धियोगः दि० ६।३६ या०	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	वैशाख कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, शुद्धसमयः, वसन्त ऋतुः याम्यगोलः ता. १४ सौम्यगोलः, सौम्यायनम्, दक्षिणे कालः दि. ०३-१७ अप्रैल २०२६ ई०	२४
१ शु.	दि.७।२६	चित्रा.३१।०७	सं.६।१७	तुला	५।५०	६।१०	३	शिववासः दि० ७।२६ या०, अग्निवासः, सिद्धियोगः दि० ७।२६ या० ततो मृत्युयोगः	
२ श.	दि.८।३६	स्वा.३६।०८	रा.८।१६	तुला	५।४६	६।११	४	मीने भौमः ४।८।४५, भ० ३६।२ उ०, सर्वार्थसिद्धियोग रा० ८।१६ या०	
३ र.	दि.१०।१४	वि.४१।५६	रा.१०।३६	तु.दि.४।००	५।४८	६।१२	५	वक्रतुंड-४व्रतं, शिववासः दि० १०।१४ उ०, अग्निवासः दि० १०।१४ या०, सिद्धियोगः दि० १०।१४ या०	
४ सो.	दि.११।०४	अनु.४८।२३	रा.१।०६	वृश्चिक	५।४८	६।१२	६	शिववासः, अग्निवासः, दि० ११।४ उ०, सर्वार्थसिद्धियोग, दीक्षाग्रहणं दि. ११।४ उ.	
५ मं.	दि.२।१४	ज्ये.५५।०२	रा.३।४८	वृ.रा.३।४८	५।४७	६।१३	७	गंड-४६।२ उ०, भ० २६।२० उ० ५८।३६ या०, शिववासः दि० २।१४ या०, मृत्युयोगः दि० २।१४ उ०	
६ बु.	दि.४।१७	मूल.६०।००	अहोरात्र	धनु	५।४६	६।१४	८	कोकिला-६, गंड ४।२ यावत्, पूर्वयात्रा, अग्निवासः दि० ४।१७ उ०, सिद्धियोगः दि० ४।१७ उ०	
७ गु.	सं.६।०६	मूल.१।२१	दि.६।१७	धनु	५।४५	६।१५	९	सर्करासप्तमी, शिववासः सं० ६।६ उ०, अग्निवासः दि० ६।६ या०	
८ शु.	रा.७।४४	पू.षा.७।०२	दि.८।३४	ध.दि.३।०३	५।४५	६।१५	१०	शिववासः रा० ७।४४ या०	
९ श.	रा.८।४२	उ.षा.११।४८	दि.१०।२७	मकर	५।४४	६।१६	११	राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवसः, अग्निवासः, सिद्धियोगः रा० ८।४२ या० ततो मृत्युयोगः	
१० र.	रा.९।२६	श्रव.१५।२६	दि.११।५५	म.रा.१२।२४	५।४३	६।१७	१२	भ० ८।२५ उ० ३६।२६ या०, भदवारम्भः दि० ११।५५ उ०, अग्निवासः, दीक्षाग्रहणं दि. ९।५ या.	
११ सो.	रा.९।३६	धनि.१७।५६	दि.१२।५२	कुम्भ	५।४२	६।१८	१३	वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषां, मासान्त, शिववासः, सिद्धियोगः रा० ८।३६ या० ततो मृत्युयोगः	
१२ मं.	रा.९।१५	शत.१६।००	दि.१।१८	कुम्भ	५।४२	६।१८	१४	कुशोदकेन पारणं, हरिद्वार कल्पवासारम्भः (१४।४।२०२६-१५।५।२०२६), अश्विन्यां मेषे रविः-१५।५८❖	
१३ बु.	रा.८।२१	पू.भा.१८।५५	दि.१।१५	कु.दि.७।१५	५।४६	६।१६	१५	भ० ३६।४१ उ०, प्रदोष-१३ व्रतं, मासादिः, जूडिशीतल, तुलसी-आम्रादिवृक्ष सेचनं, पूर्वोदितो शनि २१।११	
१४ गु.	सं.६।४१	उ.भा.१७।४४	दि.१२।२६	मीन	५।२०	६।२०	१६	भ० ५।२ या०, प्रदोष-१४ व्रतं, अग्निवासः, मृत्युयोगः सं० ६।४१ या०	
१५ शु.	रा.५।५६	रेवती.१५।४३	दि.११।५६	मी.दि.११।५६	५।३६	६।२१	१७	वैशाखी अमावस्या विष्कुम्भ योगः ५३।३४, भदवा समाप्तिः दि० ११।५ उ०, गं-३।४३ उ० १८।४३ या०	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	वैशाख शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, शुद्धसमयः, वसन्त ऋतुः सौम्यगोलः, सौम्यायनम्, दक्षिणे कालः दिनांकः १८ अप्रैल से ०१ मई २०२६ ई०
१ श.	दि.३।२१	अ.१२।४७	दि.१०।४५	मेष	५।३८	६।२२	१८	शिववासः दि० ३।२१ उ० ❖एकादशी व्रतोद्यापनं, कुजवेधात् विवाहोन्नैव उत्तराफल्गुन्यां, गृहप्रवेशः उत्तराफल्गुन्यां
२ र.	दि.१।०६	भर.६।१७	दि.६।२१	मे.दि.२।५८	५।३८	६।२२	१९	शिववासः दि० १।६ या०, सिद्धियोगः दि० १।६ उ०, अग्निवासः दि० १।६ या०
३ सो.	दि.१०।४६	कृ.५।२२	दि.७।४६	वृष	५।३७	६।२३	२०	अक्षयतृतीया, मुंडनं, विवाहः रोहिण्यां हिरागमनं च तृतीयां रोहिण्यां, सर्वार्थ सिंयो०दि० ७।४६ उ०
४ मं.	दि.८।२०	रो.१।१६	प्रा.६।०६	वृ.दि.११।४६	५।३६	६।२४	२१	मृगशिरानक्षत्र ५५।४८, छन्दोगानामुपनयनं पंचम्यां, ५४वां मध्यगुरुसंवत्सरारम्भ, शिववासः दि० ८।२० उ०
५ बु.	प्रा.५।५३	आर्द्रा.५३।११	रा.२।५१	मिथुन	५।३५	६।२५	२२	६ तिथि-५४।१४, पृथ्वी दिवस, शंकराचार्य जयंती, शिववासः, अग्निवासः प्रा० १५।३ उ०
७ गु.	रा.१।२५	पुन.४६।४२	रा.१।२८	मि.सं.७।४६	५।३५	६।२५	२३	भ० ४६।३५ उ०, जाहनव सप्तमी, जानक्याः प्रार्थुभावः, मुंडनं, हिरागमनं, गृहप्रवेशः, देवादिप्रतिष्ठा
८ शु.	रा.११।२८	पु.४६।४५	रा.१२।१६	कर्क	५।३४	६।२६	२४	भ० १।११ या०, द्विरागमनं, देवादिप्रतिष्ठा अष्टम्यां, पश्चिमाविनायात्रा पुष्ये, अग्निवासः
९ श.	रा.६।५१	श्ले.४४।४४	रा.११।२७	क.रा.११।२७	५।३३	६।२७	२५	गं० ५३।१५, जानकी नवमी, मैथली दिवसः, गं० ३३।४४ उ० ४८।४४ या०, सिद्धियोगः रा० ६।५१ या०
१० र.	रा.८।३६	मघा.४३।३२	रा.१०।५८	सिंह	५।३३	६।२७	२६	रविव्रत विसर्जनं, मघायां विवाह अश्विन्यां, सप्तदशरक्तविसर्जनं पारणं, मृत्युयोगः रा० ८।३६ उ०, अग्निवासः
११ सो.	रा.७।५१	पू.फ.४३।२७	रा.१०।५५	सिं.रा.५।०२	५।३२	६।२८	२७	भ० ६।४६ उ० ३५।४८ या०, मोहिनी-११ व्रतं सर्वेषां, भरण्यांरविः-१५६।५८, उपनयनं, गृहप्रवेशः,❖
१२ मं.	रा.७।३२	उ.फ.४४।३४	रा.११।२२	कन्या	५।३२	६।२८	२८	मधुसूदन-१२, कुशेदकेन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, अग्निवासः, शिववासः
१३ बु.	रा.७।४१	ह.४६।५८	रा.१२।१८	कन्या	५।३१	६।२९	२९	मुंडनं, गृहप्रवेश, कर्णवेध, देवादिप्रतिष्ठा च त्रयोदस्यां, शनिवेधात् विवाहोन्नैव, मृत्युयोग रा० ७।५१ या०
१४ गु.	रा.८।२६	चि.५०।२८	रा.१।४१	क.दि.१।००	५।३०	६।३०	३०	प्रदोष- १४ व्रतं, छिन्नमस्ता जयन्ती, नरसिंहवतारः, पूर्णिमायां विवाह द्विरागमनं, ग्रहप्रवेशः
१५ शु.	रा.६।३६	स्वा.५५।२३	रा.३।३६	तुल	५।३०	६।३०	१म	वैशाखी पूर्णिमा, कूर्मावतारः, स्वात्यां विवाहः द्विरागमनं, गृहारम्भः देवादिप्रतिष्ठा च पूर्णिमायां

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	प्र. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, शुद्धसमयः अमान्तादशुद्धः वसन्त ऋतुः ता. १५ तः ग्रीष्म ऋतुः सौ. सौ., दक्षिणे कालः ता. १५ तः पश्चिमे कालः दि. ०२-१६ मई २०२६ ई०
१ श.	रा.११।११	विशा.६०।००	अहोरात्र	तु.रा.११।२१	५।२६	६।३१	२	मातृ दिवसः, शिववासः रा० ११।११, अग्निवासः
२ र.	रा.१।०५	विशा.१।०७	प्रा.५।५६	वृश्चिक	५।२६	६।३१	३	द्विरागमनं अनुराधायां, अग्निवासः
३ सो.	रा.३।०८	अनु.७।२५	दि.८।२६	वृश्चिक	५।२८	६।३२	४	भ०-११।३६ उ० ५४।११ या०, मुंडनं, द्विरागमनं, गृहारम्भश्च अनुराधायां, सर्वार्थसिद्धियागः दि० ८।२६ या०
४ मं.	रा.शे.५।१०	ज्ये.१४।०१	दि.११।०३	वृ.दि.११।०३	५।२७	६।३३	५	गं० ८।०१ उ० २३।१ या०, शिववासः, अग्निवासः
५ बु.	अहोरात्र	मूल.२०।२८	दि.१।३८	धनु	५।२७	६।३३	६	विवाहः मूल द्विरागमनं, गृहारम्भश्च मूले, पूर्वयात्रा शिववासः
५ गु.	दि.७।००	पू.षा.२६।१७	दि.३।३७	ध.रा.१०।२७	५।२६	६।३४	७	द०ति० ३।५४ उ०, शिववासः, दि० ७।०० या०, अग्निवासः दि० ७।०० उ०, सिद्धियोगः दि० ७।०० या०
६ शु.	दि.८।३३	उ.षा.३१।१७	सं.५।५७	मकर	५।२६	६।३४	८	विवाहः सप्तम्यां, द०ति० ७।४७ या० भ० ७।४७ उ०, अग्निवासः दि० ८।३३ या०
७ श.	दि.९।३७	श्र.३५।०८	रा.७।२८	मकर	५।३५	६।३५	९	विश्वनाथ स्मृति दिवसः, भदवारम्भः रा० ७।२८ उ०, भ० ३६।६ या० शिववासः दि० ९।३७ उ०
८ र.	दि.१०।१५	धनि.३७।५०	रा.८।३२	म.दि.८।१०	५।३४	६।३६	१०	विवाहः अष्टम्यां, शिववासः दि० १०।१५ या०, सिद्धियोगः दि० १०।१५ या०
९ सो.	दि.१०।२२	शत.३६।१३	रा.९।०५	कुम्भ	५।३४	६।३६	११	कृत्तिकायां रविः-४४।४६, भ० ४१।५३ उ०, अग्निवासः
१० मं.	दि.९।५६	पू.भा.३६।२४	रा.९।०६	कु.दि.३।१७	५।३३	६।३७	१२	भ० ११।२३ या०, वृषे बुधः-५१।२७, शिववासः दि० ९।५६ उ० २६
११ बु.	दि.९।०३	उ.भा.३८।०६	रा.८।३७	मीन	५।३३	६।३७	१३	अपरा-११ व्रतं सर्वेषां, विवाहः दिवारात्रौ पश्चिमयात्रा रा० ८।३७ उ०, शिववासः, अग्निवासः
१२ गु.	दि.७।४२	रेवती.३६।३४	रा.८।००	मी.रा.८।००	५।२२	६।३८	१४	तिलेन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, मासान्तः, भदवा समाप्तिः रा० ८।०० उ०, गं०-२४।३४ उ०
१३ शु.	प्रा.६।००	अ.३३।५०	सं.६।५३	मेष	५।२१	६।३९	१५	१४ तिथि-५४।५६, प्रदोष-१४ व्रतं, वृषे रविः-१२।३३, अग्निवासः, सर्वार्थसिद्धियोगः सं० ६।५३ या०
३० श.	रा.१।४४	भर.३०।२६	सं.५।३०	मे.रा.११।०७	५।२०	६।४०	१६	ज्येष्ठी अमावस्यां पार्वणं, वटसावित्रीव्रतं अमान्तात् मलमासारम्भः, मासादिः, राजगीर मेलारम्भः

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	प्र. ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, अशुद्धसमयः, ग्रीष्म ऋतुः सौम्यगोलः, सौम्यायनम्, पश्चिमे कालः दिनांकः १७ मई से ३१ मई २०२६ ई०
१ र.	रा.११।२०	कृ.२६।३३	दि.३।५६	वृष	५।१६	६।४१	१७	अतिगंडयोगः ५२।१८, अग्निवासः, मृत्युयोगः
२ सो.	रा.८।५२	रो.२२।३०	दि.२।१६	वृ.रा.१।२६	५।१६	६।४१	१८	चन्द्रदर्शनं, शिववासः रा० ८।५२ या०, मृत्युयोगः रा० ८।५२ या०, सर्वार्थसिद्धियोगः
३ मं.	सं.६।२७	मृग.१८।१६	दि.१२।३८	मिथुन	५।१८	६।४२	१९	भ० ४६।४१ उ०, श्री गणेश ४ व्रतं, दंति० ३२।४७ उ०, अग्निवासः, सि०यो० सं-६।२७ या०
४ बु.	दि.४।०४	आ.१४।२१	दि.११।०२	मि.रा.३।५७	५।१८	६।४२	२०	दंति० २६।५५ या०, भ० ५६।४४ या०, शिववासः दि० ४।४ उ०
५ गु.	दि.१।५१	पुन.१०।४३	दि.६।३४	कर्क	५।१७	६।४३	२१	अग्निवासः, शिववासः, सि०यो० दि०-१।५१ या०, सर्वार्थसिद्धियोगः, गुरुपुष्ययोग दि० ६।३४ उ०
६ शु.	दि.११।५३	पु.७।३६	दि.८।२१	कर्क	५।१७	६।४३	२२	गं-५६।२८ उ०, शिववासः दि० ११।५३ या०, सि०यो० दि० ११।५३ या० ततो मृत्युयोगः
७ श.	दि.१०।१४	श्ले.५।२७	दि.७।२७	क.दि.७।२७	५।१६	६।४४	२३	भ० १२।२३ उ० ४०।५१ या०, गं० १४।२८ या०, अग्निवासः
८ र.	दि.८।५६	मघा.४।००	दि.६।५२	सिंह	५।१६	६।४४	२४	पूर्वोत्तरयात्रा अष्टमी, शिववासः, दि० ८।५६ उ०, अग्निवास दि० ८।५६ उ०, सि०यो०दि० ८।५६ या०
९ सो.	दि.८।०६	पू.फ.३।४०	दि.६।४४	सिं.दि.१२।५०	५।१६	६।४४	२५	रोहिण्यां रविः-४१।२६, शिववासः दि० ८।६ या० अग्निवासः दि० ८।६ या०
१० मं.	दि.७।४८	उ.फ.४।३४	दि.७।०६	कन्या	५।१६	६।४४	२६	सूतीस्नानं, गंगादशहरा, पृथिव्यां गंगावतरणं, भ०-५६।२३ उ०, अग्निवासः दि० ७।४८ उ०
११ बु.	दि.७।५८	हस्त.६।४०	दि.७।५६	क.रा.८।३७	५।१६	६।४४	२७	व्यतीपातयोगः ५८।५०, कमला एकादशी व्रतं सर्वेषां, भ० ६।४५ या०, अग्निवास दि० ७।५८ या०
१२ गु.	दि.८।४०	चि.१०।०६	दि.६।१७	तुला	५।१५	६।४५	२८	तिलेन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, पश्चिम यात्रा, शिववासः, अग्निवासः दि० ८।४० उ०
१३ शु.	दि.६।४७	स्वा.१४।३६	दि.११।०५	तुला	५।१५	६।४५	२९	प्रदोष-१४ व्रतं, शिववासः दि० ६।४७ या०, अग्निवासः दि० ६।४७ या०
१४ श.	दि.११।२१	वि.२०।०८	दि.१।२८	तु.दि.६।४५	५।१५	६।४५	३०	कर्क गुरुः १४।१०, भ० १५।१३ उ० ४७।३२ या०, पूर्णिमा व्रतं, अग्निवासः दि० ११।२१ उ०
१५ र.	दि.१।१०	अनु.२६।२०	दि.३।४६	वृश्चिक	५।१४	६।४५	३१	ज्येष्ठी-१५, स्नानदानादिः, सुतीस्नानं, उत्तरयात्रा पूर्णिमायां, शिववासः दि० १।१० उ०

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	द्वि. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, अशुद्ध अमान्तात् शुद्धसमयः ग्रीष्मऋतु, सौम्यगोलः, सौम्यायनम्, पश्चिमे कालः दि. ०१-१५ जून २०२६ ई०
१ सो.	दि.३।११	ज्ये.३२।५५	सं.६।२४	वृ.सं.६।२४	५।१४	६।४६	१जू.	गं-२६।५५ उ० ४१।५५ या०, शिववासः दि० ३।११ या०, अग्निवासः सिद्धियोगः दि० ३।११ या०
२ मं.	सं.६।१३	मूल.३६।२३	रा.८।५६	धनु	५।१४	६।४६	२	सिद्धियोगः सं० ५।१३ उ०
३ बु.	रा.७।०२	पू.षा.४५।२१	रा.११।२२	धनु	५।१४	६।४६	३	भ० २।१३ उ० ३४।३० या०, द०ति०-३४।३० उ०, गणेश४व्रतं, अग्निवासः, मृत्युयोगः रा० ७।२ या०
४ गु.	रा.८।०५	उ.षा.५०।३४	रा.१।२७	ध.दि.५।५२	५।१३	६।४७	४	द०ति०-३७।०६ या०, मृत्युयोगः रा० ८।५ या० ततो सिद्धियोगः
५ शु.	रा.९।३७	श्र.५४।३६	रा.३।०५	मकर	५।१३	६।४७	५	भदवारम्भः रा० ३।५ उ०, शिववासः रा० ९।३७ या०, अग्निवासः, सर्वार्थ सिद्धियोगः
६ श.	रा.१०।१६	धनि.५७।३८	रा.४।१६	म.दि.३।४०	५।१३	६।४७	६	भ०-४२।४६ उ०
७ र.	रा.१०।२२	शत.५९।१८	रा.४।५६	कुंभ	५।१३	६।४७	७	भ०-१२।४६ या०, अग्निवासः
८ सो.	रा.९।५६	पू.भा.५९।४५	रा.शे.५।०६	कु.रा.११।०३	५।१२	६।४८	८	प्रीतियोगः-५६।२२, मृगशिरायां रविः-३७।३७, शिववासः रा० ९।५६ या०
९ मं.	रा.९।०२	उ.भा.५९।०१	रा.४।४८	मीन	५।१२	६।४८	९	अग्निवासः
१० बु.	रा.७।४२	रेवती.५७।१६	रा.४।०६	मी.रा.४।०६	५।१२	६।४८	१०	भ०-७।३५ उ० ३७।१६ या०, भदवासमाप्तिः रा० ४।६ उ०, गं० ४५।१६ उ०
११ गु.	सं.६।०२	अ.५४।४२	रा.३।०५	मेष	५।१२	६।४८	११	पद्मा एकादशी व्रतं सर्वेषां, गं०-०।१६ या०, शिववासः, अग्निवासः सं०-६।२ या०, सर्वार्थसिद्धियोगः
१२ शु.	दि.३।५३	भर.५१।२७	रा.१।४७	मेष	५।१२	६।४८	१२	तिलेन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, शिववासः दि० ३।५३ या०, अग्निवासः दि० ३।५३ उ०
१३ श.	दि.१।४६	कृ४७।३८	रा.१२।१४	मे.दि.७।२३	५।११	६।४९	१३	प्रदोष-१४ व्रतं, भ० २१।२७ उ० ४८।२८ या०, अग्निवासः दि० १।४६ या०, सि०यो० दि० १।४६ उ०
१४ र.	दि.११।२३	रो.४३।३४	रा.१०।३७	वृष	५।११	६।४९	१४	मासान्तः, शिववासः दि०-११।२३ उ०
३० सो.	दि.८।५४	मृ.३६।२३	रा.८।५६	वृ.दि.९।४६	५।११	६।४९	१५	ज्येष्ठी-३०, स्नानदानादिः, मलमासान्तः, मिथुनेरविः-३७।५३, राजगीर मेला समाप्तिः, शुद्धारम्भः ९।१७ उ०

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, शुद्ध समयः ग्रीष्म ऋतुः, सौम्यगोलः, सोम्यायनम्, पश्चिमे कालः दिनांकः १६ जून से २६ जून २०२६ ई०	२९
१ मं.	प्रा.६।२५	आर्द्रा.३५।२१	सं.७।०७	मिथुन	५।११	६।४६	१६	२ तिथि-५४।०२, वृद्धियोगः-५२।३३, मासादिः, शिववासः प्रा० ६।२५ उ०, मृत्युयोगः प्रा० ६।२५ या०	
३ बु.	रा.१।४७	पुन.३१।३७	सं.५।४६	मि.दि.१२।११	५।१०	६।५०	१७	रम्भातृतीया, पंचाग्नि व्रतं, मुंडनं, क्षत्रियवैश्योरूपनयनं, देवादिप्रतिष्ठा, अग्निवासः, मृत्युयोगः	
४ गु.	रा.११।४७	पु.२८।२३	दि.४।३१	कर्क	५।१०	६।५०	१८	भ०-१६।१२ उ० ४६।३२ या०, श्री गणेशव्रतं, मृत्युयोगः रा० ११।४७ या० ततो सिद्धियोगः	
५ शु.	रा.१०।०६	श्ले.२५।५५	दि.३।३२	क.दि.३।३२	५।१०	६।५०	१९	उपनयनं, विवाहः मघायां, गं-१६।५५ उ० ३४।५५ या०, विन्ध्यवासिनी पूजनं, शिववासः, अग्निवासः	
६ श.	रा.८।४७	मघा.२४।१६	दि.२।५२	सिंह	५।१०	६।५०	२०	शिववासः रा० ८।४७ या०	
७ र.	रा.७।५४	पू.फ.२३।३८	दि.२।३७	सिं.रा.८।४१	५।१०	६।५०	२१	भद्रा०-३६।५१ उ०, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः	
८ सो.	रा.७।३०	उ.फ.२४।१४	दि.२।५२	कन्या	५।१०	६।५०	२२	भ०-६।२१ या०, अर्द्रायां रविः-१३६।५८	
९ मं.	रा.७।३७	हस्त.२६।४३	दि.३।५१	क.रा.४।२०	५।१०	६।५०	२३	पूर्वदक्षिणयात्रा, शिववासः रा० ७।३७ या०	
१० बु.	रा.८।१६	चित्रा.२६।०६	दि.४।५०	तुला	५।१०	६।५०	२४	गंगास्नानदानादिः, श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा दिनं, मुंडनं, उपनयनं, विवाहः, गृहप्रवेश, अग्निवासः	
११ गु.	रा.६।२१	स्वा.३३।२१	सं.६।३०	तुला	५।१०	६।५०	२५	भ०-६।७ उ० ४०।२८ या०, निर्जला-११ व्रतं सर्वेषां, मुंडनं, उपनयनं, विवाहः, गृहारम्भः, गृहप्रवेशः, स्वात्यां	
१२ शु.	रा.१०।५२	विशा.३८।४०	रा.८।३८	तु.दि.२।०६	५।१०	६।५०	२६	त्रिविक्रम-१२ व्रतं, तिलेन पारणं, विवाहः अनुराधायां, गृहप्रवेशः, शिववासः, अग्निवासः	
१३ श.	रा.१२।४२	अनु.४४।४२	रा.११।०३	वृश्चिक	५।१०	६।५०	२७	प्रदोष-१३ व्रतं, गृहप्रवेशः, पश्चिमोत्तर यात्रा, शिववासः रा० १२।४२ या०	
१४ र.	रा.१।५६	ज्ये.५१।१२	रा.१।४०	वृ.रा.१।४०	५।११	६।४६	२८	प्रदोष-१४ व्रतं, विवाहः पूर्णिमायां, भ० ५३।४८ उ०, गं-४०।१२ उ० ५५।१२ या०, अग्निवासः	
१५ सो.	रा.४।४६	मूल.५७।४२	रा.४।१६	धनु	५।११	६।४६	२९	ज्येष्ठी पूर्णिमां, स्नानदानादि, तिलदानं, विवाहो मूले, उत्तरयात्रा, गृहारम्भः, भ०-२६।१८ या०, उत्तरयात्रा	

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	आषाढ कृष्ण पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, शुद्ध समयः सौ., पश्चिमेकालः ता० १२ अशुद्धः, ग्रीष्मर्तुः सौ. सौ., पश्चिमे कालः दि. ३० जून से १४ जुलाई २०२६ ई०
१ मं.	अहोरात्र	पू.षा.६०।००	अहोरात्र	धनु	५।११	६।४६	३०	शिववासः, अग्निवासः, मृत्युयोगः
१ बु.	प्रा.६।३१	पू.षा.३।४८	दि.६।४२	ध.दि.१।१५	५।११	६।४६	१ जु.	जुलाई मासारम्भः, गृहारम्भः, विवाहः उत्तराषाढे, मुंडनं, कर्णवेध, शिववासः प्रा० ६।३१ या०
२ गु.	दि.८।०४	उ.षा.६।१३	दि.८।५२	मकर	५।११	६।४६	२	गृहारंभ, सौराठ ससौलयोः वैवाहिकसभारम्भः, विवाहः उत्तराषाढे केतूवेधात् मध्यमः, श्रवणायां, मुंडनं, कर्णवेध
३ शु.	दि.९।११	श्र.१३।३३	दि.१०।३७	म.रा.११।१६	५।१२	६।४८	३	अंगार-४, भदवारम्भः दि० १०।३७ उ०, केतूवेधात् विवाहो मध्यमः श्रवणायां तृतीयायां, गृहारम्भः, मुंडनं
४ श.	दि.९।५०	धनि.१६।४७	दि.११।५५	कुंभ	५।१२	६।४८	४	गृहारम्भः पंचम्यां, मुंडनं, शिववासः, अग्निवासः, सि०यो० दि० ९।५० या० ततो मृत्युयोगः
५ र.	दि.९।५७	शत.१८।४४	दि.१२।४२	कुंभ	५।१२	६।४८	५	करमूले पुलिक मूल बन्धनं, शिववासः दि० ९।५७ उ०, मृ०यो० दि० ९।५७ उ०
६ सो.	दि.९।३३	पू.भा.१६।१४	दि.१।५४	कु.दि.६।५०	५।१२	६।४८	६	पुनर्वसौ रविः-४।५८ , पातताप वृष्टियोगः, विवाहः, उत्तरभाद्रे, अग्निवासः दि० ९।३३ या०
७ मं.	दि.८।४१	उ.भा.१८।५४	दि.१२।४७	मीन	५।१३	६।४७	७	शिववासः दि० ८।४१ उ०, अग्निवासः दि० ८।४१ उ०, सिद्धियोगः दि० ८।४१ उ०
८ बु.	दि.७।२४	रेव.१७।२०	दि.१२।०६	मी.दि.१२।०६	५।१३	६।४७	८	भदवा समाप्तिः १२।१ उ०, गं.-५।२० उ० २०।२१ या०, शिववासः दि० ७।२४ या०
९ गु.	प्रा.५।४३	अ.१४।५६	दि.११।१३	मेष	५।१३	६।४७	९	१० तिथि ५५।००, धृतियोगः-५३।२२, विवाहः अश्विन्यां, अग्निवासः दि० ५।४३ उ०
११ शु.	रा.१।३१	भरणी.११।५०	दि.९।५८	मे.दि.३।३६	५।१४	६।४६	१०	योगिनी-११ व्रतं स्मार्तानां, शिववासः, सिद्धियोगः
१२ श.	रा.११।०६	कृ.८।०७	दि.८।२६	वृष	५।१४	६।४६	११	वैष्णवानामेकादशी व्रतं , यवचूर्णेन पारणं, शिववासः रा० ११।६ या०, अग्निवासः
१३ र.	रा.८।३८	रो.४।०३	दि.६।५१	वृ.सं.५।१३	५।१४	६।४६	१२	भ०-३८।२६ उ०, प्रदोष-१३ व्रतं , करमूपुलिक मूल बन्धनं, अशुद्धारम्भश्च विवाहो श० ८।३८ या०
१४ सो.	रा.६।०६	आ.५५।४७	रा.३।३३	मिथुन	५।१४	६।४६	१३	भ०-५।२२ या०, सोमवारी व्रतं दि० ६।६ उ० ६।४६ यावत्, अग्निवासः
३० मं.	दि.३।४५	पुन.५१।५८	रा.१।३८	मि.रा.८।२५	५।१५	६।४५	१४	आषाढी अमावस्यां, स्नानदानादि, भोमवत्यमा, स्नान दानादि, कोटि सूर्य ग्रहण सम फलं

तिथि दिन	तिथि घ. मि.	नक्षत्राणि दं. प.	नक्षत्राणि घं. मि.	चन्द्रराशयः	सू.उ. घं.मि.	सू.अ. घं.मि.	अं० ता०	आषाढ शुक्ल पक्ष सन् १४३३ साल, शाके-१६४८, सम्वत् २०८३, अशुद्धसमयः, ग्रीष्म ऋतुः ता १७ तः वर्षा ऋतुः सौ., सौ., ता. १७ तः या. पश्चिमे कालः दि. १५-२६ जु. २०२६ ई०
१ बु.	दि.१।३१	पुष्य.४८।३४	रा.१२।४१	कर्क	५।१५	६।४५	१५	ग्रीष्म नवरात्रारम्भः, कलशस्थापनं, श्री दुर्गा पूजनोत्सवः, शिववासः दि०-१।३१ उ०, अग्निवासः दि० १।१ उ०
२ गु.	दि.११।२७	श्ले.४५।५३	रा.११।३६	क.रा.११।३६	५।१५	६।४५	१६	श्री जगन्नाथ रथ यात्रोत्सवारम्भः, मासान्तः, रेमन्त पूजा, गं-३६।५३ उ० ५३ या०
३ शु.	दि.६।४५	मघा.४४।०४	रा.१०।५३	सिंह	५।१५	६।४५	१७	व्यतीपात योगः ५४।३४, कर्करविः १४।५०, द्वारकायां कुंभ योगः (१७-७-२०२६/१७-८-२०२६)
४ श.	दि.८।२६	पू.फ.४३।११	रा.१०।३२	सिं.रा.४।३३	५।१६	६।४४	१८	सूतीस्नानं, दंति०-५।३४ उ०, शिववासः, अग्निवासः, मृत्युयोगः दि० ७।३० उ०
५ र.	दि.७।३०	उ.फ.४३।२६	रा.१०।४०	कन्या	५।१६	६।४४	१९	सूतीस्नानं, करमूले पुलिक मूल बंधनं, दंति०-५।३४ उ०, शिववासः, अग्निवासः, मृत्युयोगः दि० ७।३० उ०
६ सो.	दि.७।०४	हस्त४५।०३	रा.११।१८	कन्या	५।१७	६।४३	२०	पुष्ये रविः ४७।२२, दंति० ४।२८ या०, शिववासः दि० ७।४ या०, सिद्धियोगः दि०-७।४ या० ततो मृत्युयोगः
७ मं.	दि.७।०८	चित्रा.४७।५०	रा.१२।२५	क.दि.११।५१	५।१७	६।४३	२१	भ०-२।३७ उ० २५।२३ या०, पूर्वदक्षिणयात्रा, अग्निवासः, सिद्धियोगः दि० ७।८ उ०
८ बु.	दि.७।४५	स्वा.५१।४७	रा.२।००	तुला	५।१७	६।४३	२२	शिववासः दि०-७।४५ उ०, मृत्युयोगः दि० ७।४५ या०
९ गु.	दि.८।४६	वि.५६।५०	रा.४।०१	तु.रा.६।२५	५।१७	६।४३	२३	शिववासः दि०-८।३ या०, अग्निवासः, मृ०यो० दि० ८।४६ या० ततो सिद्धियोगः
१० शु.	दि.१०।१६	अनु.६०।००	अहोरात्र	वृश्चिक	५।१७	६।४३	२४	रैवत मन्वादिः, सि०यो० दि० १०।१६ उ०, सर्वार्थसिद्धियोगः
११ श.	दि.१२।०६	अनु.२।४३	प्रा.६।२७	वृश्चिक	५।१८	६।४२	२५	हरिशयनं-११ व्रतं सर्वेषां, चातुर्मास्यं, व्रतारम्भः, शिववासः दि० १२।६ उ०, अग्निवासः
१२ र.	दि.२।०६	ज्ये.६।०६	दि.८।५८	वृ.दि.८।५८	५।१८	६।४२	२६	वासुदेव-१२, यवचूर्णेन पारणं, प्रदोष-१३ व्रतं, गं-३।६ उ० १८।६ या०, करमूले पुलिकमूल बंधनं
१३ सो.	दि.४।०७	मूल.१५।४१	दि.११।३५	धनु	५।१८	६।४१	२७	प्रदोष-१४ व्रतं, गंगेश्वर स्मृति दिवसः, अग्निवासः दि० ४।७ या०, शिववासः दि० ४।७ या०
१४ मं.	सं.६।००	पू.षा.२१।५३	दि.२।०५	ध.रा.८।३६	५।२०	६।४०	२८	भ०-५।३६ उ०, पूर्णिमा व्रतं, पूर्वयात्रा पूर्वाषाढे, अग्निवास सं० ६।०० उ०
१५ बु.	रा.७।३३	उ.षा.२७।२६	दि.४।१८	मकर	५।२०	६।४०	२९	आषाढी पूर्णिमा, स्नानदानादि, गुरुपूर्णिमा-गुरुव्यासयोः पूजनं, पूर्णन्तात् सन् १४३४ साल संज्ञक वर्षारम्भः

मुहूर्त सूची

१. सौराठससौला सभा - दिनांक ०२-०७-२०२६ ई. से १२-०७-२०२६ ई० तक।
२. उपयनयनदिन - जनवरी- २६। फरवरी-२२, २६, २७। मार्च-२७ (क्षत्रियवैश्य), २६। अप्रैल-२१(छन्दोग), २७। जून-१७ (क्षत्रियवैश्य), १६, २४, २५।
३. विवाहदिन - नवम्बर-२०, २१, २३, २४, २६, २७, ३०। दिसम्बर-०१, ०४, ०५। जनवरी-२६। फरवरी-०५, ०६, ०८, १५, १६, २०, २२, २५, २६। मार्च-०४, ०६, ११, १३। अप्रैल-१७, २०, २६, ३०। मई-०१, ०६, ०८, १०, १३। जून-१६, २४, २५, २६, २८, २६। जुलाई-०१, ०२, ०३, ०६, ०६, १२।
४. द्विरागमनदिन- नवम्बर-२१, २३, २४, २६, २७, २८। दिसम्बर-०१, ०४, ०५, ०७, ०८। फरवरी-१८, १६, २०, २२, २५, २६, २७। मार्च-०१, ०४, ०५, ०६, ०८। अप्रैल-२०, २३, २४, ३०। मई-०१, ०३, ०४, ०६।
५. मुण्डनदिन- नवम्बर-२१, २७। दिसम्बर-०१। जनवरी-२१, २३, २८, २६। फरवरी-०६, २०, २६, २७। मार्च-०५, ०६। अप्रील-२०, २३, २६। मई-०४। जून-१७, २४, २५। जुलाई-०१, ०२, ०३, १५।
६. गृहारम्भ- अगस्त-०६, ०८, ०६, ११, १३। अक्टूबर-३१। नवम्बर-०१, ०३, ०५, ०७, ०८। दिसम्बर-०१, ०४। जनवरी-२६। फरवरी-२७, २८। मार्च-०४, ०५, ०६। मई-०१, ०४, ०६। जून-२५, २६। जुलाई-०१, ०२, ०३, ०४।
७. गृहप्रवेश- जुलाई-३०, ३१। अगस्त-०४, ०६, ०८। अक्टूबर-३१। नवम्बर-०१, ०३, २६, २७। दिसम्बर-०१। जनवरी-२८, २६, ३०। फरवरी-२५, २६, २७, २८। अप्रैल-२३, २७, २६, ३०। जून-२४, २५, २६, २७।

॥ अथ सर्वतोभद्र मण्डलम् ॥



॥ अथ चतुर्लिङ्गतो भद्र मण्डलम् ॥

